पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 272

ग्वालियर, शुक्रवार, 26 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

दिसंबर में बांटे जाएंगे मालिकाना हक के पट्टे

भोपाल। देश में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत पांच हजार से अधिक ग्रामों के चार लाख से ज्यादा संपत्ति मालिकों को सिंगल क्लिक पर ई-संपत्ति कार्ड दिए गए। इसी तरह स्वामित्व योजना के द्वितीय चरण के लिए तैयारियां शुर हो गई हैं। दिसंबर में लोगों को मालिकाना हक दिया जाकर पट्टे वितरित करना है। इधर, भोपाल के अनेक ग्रामीण इलाकों में इसके लिए अब तक सर्वे ही पूरा नहीं हो पाया है। शहर के 63 हजार ग्रामीण आबादी भूंखडों का सर्वे होना है। इसें से महज 42 हजार 700 का ही सर्वे हो पाया है। सर्वे ऑफ इंडिया की मदद से ग्रामों में बसाहट क्षेत्र के ड्रोन की सहायता से नक्शे बनाए जा रहे हैं। घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। इस आधार पर अधिकार अभिलेख तैयार किए जा रहे हैं। इससे प्रत्येक संपत्तिधारक को संपत्ति का प्रमाण पत्र और भू-स्वामित्व मिलेगा। इससे उनके लिए अपनी भूसंपदा या मकान पर बैंक से कर्ज लेना सरल होगा। इस अभियान से सार्वजनिक उपयोग की संपत्ति (जैसे - रास्ते, स्कूल, खेल मैदान, पंचायत भूमि, निस्तार भूमि) का संरक्षण होगा और उनकी सीमाएं तय होंगी।

कमलनाथ का शिवराज पर वार, मुंह चलाने और सरकार चलाने में अंतर होता है

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान की सरकार में हम कई वर्षों से कुपोषण, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, किसानों की आत्महत्या, बेरोजगारी, आत्महत्याओं, भ्रष्टाचार, अवैध उत्खनन में देश के टॉप राज्यों में हैं। अब गरीबी में भी हम देश के टॉप राज्यों में आ गए हैं। मैंने तो हमेशा से ही कहा है कि मुंह चलाने और सरकार चलाने में अंतर होता है। नीति आयोग ने देश का पहला बहुआयामी गरीबी सूचकांक जारी किया है। इसके अनुसार बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है। वहां 51.91त्न आबादी गरीब है। इसके बाद झारखंड (42.16त्न), उत्तर प्रदेश (37.79त्न) और मध्य प्रदेश (36.65त्न) का नंबर आता है। हैं।

पीएम ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का भूमि पूजन और शिलान्यास किया

वर्षों तक यूपी को ताने सुनने पर मजबूर रखा गया, पहला मौका है कि राज्य को उसका अधिकार मिलाः मोदी

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां एशिया के सबसे बड़े जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का भूमि पूजन और शिलान्यास करते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत एक से बढ़कर एक आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के जरिए बेहतर मॉडल बनेगा। यह उत्तर भारत का लॉजिस्टिक गेटवे बनेगा। पीएम ने विपक्ष भी जमकर हमला बोला। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पहले चरण के विकास में कुल 8914 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि जेवर हवाईअड्डा उत्तर भारत के लिए प्रवेश द्वार साबित होग। यहां सितंबर, 2024 तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। हवाईअड्डे के विकास पर कुल 29,560 करोड़ लागत आने का अनुमान है। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद वर्षों तक यूपी को ताने सुनने पर मजबूर रखा गया। यह पहला मौका है कि राज्य को उसका अधिकार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में विकास को 2017 की पहले की गैर भाजपा सरकारों ने कैसे नज़रअंदाज किया जेवर एयरपोर्ट भी उसका उदाहरण है। पहले की यूपी सरकार ने बकायदा चिट्ठी लिखकर इस एयरपोर्ट को बंद करने को कह दिया था। आज डबल इंजन की सरकार की वजह से हम सब इस एयरपोर्ट के शिलान्यास के साक्षी बन रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्यात के बहुत बड़े केंद्र को अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों से सीधे जोड़ेगा। यहां के किसान फल, सब्ज़ी, मछली जैसी ज़ल्दी खराब होने वाली उपज को सीधे निर्यात कर पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत एक से बढ़कर एक आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के जरिए बेहतर मॉडल बनेगा। यह उत्तर भारत का लॉजिस्टिक गेटवे बनेगा। यह पूरे क्षेत्र को नेशनल गतिशक्ति मास्टर प्लान का प्रतिबिंब बनाएगा। पीएम बोले आज जेवर भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अंकित हो गया है। वेस्ट यूपी और दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोगों को इसका लाभ होगा। 21 वीं सदी का भारत बेहतर से बेहतर इंफरास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। गरीब अमीर, मजदूर-उद्यमी हर वर्ग को इसका लाभ मिलता है। कनेक्टिविटी की दृष्टि से भी यह इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेहतरीन मॉडल बनेगा। यहां आने-जाने के लिए टैक्सी से लेकर मेट्रो तक हर तरह की कनेक्टिविटी होगी। पीएम मोदी ने जेवर में एशिया के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास कर दिया है। पहले चरण में कुल 8914 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस एयरपोर्ट के विकास पर कुल 29,560 करोड़ लागत आने का अनुमान है। यहां से पहली उड़ान वर्ष 2024 में शुरू होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के बाद भारत के नागरिकों ने बदलते हुए भारत को देखा है। सिर्फ सामान्य दिनों में ही नहीं, वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी हमने देखा कि कैसे अपने एक-एक नागरिक की रक्षा की जाए। कैसे उनके जीवन और जीविका की रक्षा करते हुए सुरक्षा कवच दिया जाए। सीएम ने कहा कि पश्चिमी यूपी के लिए ये महत्वपूर्ण क्षण है। कभी यहां के किसानों ने यहां के गन्ने की मिठास को बढ़ाने का काम किया था। लेकिन कुछ लोगों ने यहां दंगों की श्रृंखला खड़ी कर दी थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का निर्देश था कि एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बनेगा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में बनेगा। यहां आने वाले दिनों में 34,000 करोड़ से भी ज़्यादा का निवेश होगा।

सीएम चन्नी के ऐलान पर सिद्धू ने फिर उठाया सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल के चुनावी राज्य पंजाब के दो दिवसीय दौरे के समापन के एक दिन बाद, पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह ने विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे चुनावी वादों पर सवाल उठाया है। इस दौरान उन्होंने अपनी पार्टी को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा केबल टीवी शुल्क को 100 रुपये प्रति माह करने की घोषणा व्यावहारिक रूप से संभव नहीं थी, क्योंकि ट्राई ने 130 रुपये की दर तय की थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि चन्नी का प्रदर्शन पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह से बेहतर है। सिद्धू ने कहा, 2017 में, मैंने केबल माफिया के एकाधिकार को समाप्त करने और लोगों को सस्ता केबल कनेक्शन प्रदान करने के लिए पंजाब एंटरटेनमेंट टैक्स बिल को कैबिनेट में पेश किया। पीसीसी प्रमुख ने कहा कि उनका पंजाब मॉडल नीति आधारित था और इसका उद्देश्य एकाधिकार से राहत प्रदान करना था। उन्होंने कहा, सोप्स सरकारी खजाने को खाली कर देंगे और आजीविका को खत्म कर देंगे। बुधवार को यहां अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए सिद्धू ने प्रति महिला एक हजार रुपये देने की घोषणा को लेकर आप नेता अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, एक साधारण गणना यह उजागर करेगी कि यह व्यावहारिक है या नहीं। उदाहरण के लिए, 26 लाख नौकरियां उपलब्ध कराने का मतलब 93,000 करोड़ रुपये का खर्च होगा।

रामधुन पर फतवा ना जारी कर दें सोनिया नरोत्तम मिश्रा के इस बयान पर दिग्विजय जमकर बरसे

नई दिल्ली। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा कांग्रेसियों के घुटने तोड़ने वाले हाल ही के विवादास्पद बयान पर राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को रामधुन गाकर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित उनके (शर्मा) घर के पास प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन पर राज्य के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी रामधुन गाने पर कहीं दग्विजिय सिंह के खिलाफ फतवा ना जारी कर दें। अब बारी दिग्विजय सिंह की थी। नरोत्तम मिश्रा पर पलटवार करते हुए उन्होंने व्यक्तिगत हमले किए। कांग्रेस सांसद ने कहा, नरोत्तम मिश्रा डबरा में बस स्टैंड पर कंडक्टरों से 20 रुपये वसूल करते थे। अब वह कलेक्टर और एसपी से वसूली कर रहे हैं। मैं उन्बें गंभीरता से नहीं लेता। उन्हें डबरा में बस स्टैंड पर काम करना चाहिए। दिग्विजय ने बुधवार यहां मिंटो हॉल परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शर्मा के घर की ओर रामधुन गाते हुए कूच किया, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आधे रास्ते में ही रोक लिया। शर्मा का घर मिंटो हॉल से करीब एक किलोमीटर दूर है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता अपने हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिनमें लिखा था, रामेश्वर शर्मा जी हम आ गये हैं, आप हमारे घुटने तोड़ो। मालूम हो कि भोपाल की हुजूर सीट के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने शहर के रातीबड़ क्षेत्र के कलखेड़ा गांव में हाल ही में कहा था, कांग्रेस का इधर कोई आए तो उसके घुटने तोड़ दो। दलालों को नो एंट्री। दलाली नहीं करने देंगे, तभी नगर सुरक्षित रहेगा। दिग्विजय सिंह आए, कुछ करके गए क्या? रामेश्वर के इस बयान का वीडियो वायरल हो गया था। इस पर कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद दिग्विजय ने भी उनके बयान पर ट्वीट कर कहा था, मैं कांग्रेसी हूं। जिसमें ताकत हो तो मेरे घुटने तोड़ दे। मैं गांधीवादी हूं। हिंसा का जवाब अहिंसा से दूंगा। 24 नवंबर को मैं महात्मा गांधी की मूर्ति से रामेश्वर शर्मा के घर जाऊंगा। उनके घर जाकर प्रभु से उन्हें सदबुद्धि देने के लिए एक घंटे तक रामधुन करूंगा। रामधुन पर हो रही राजनीति के बीच राज्य के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी रामधुन गाने पर कहीं दिग्विजय सिंह के खिलाफ फतवा ना जारी कर दें। उन्होंने अपने ट्वीट में बिना किसी का नाम लिए कहा, अच्छा है चचाजान अब रामधुन गाएंगे। इसके बाद उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि दिग्विजय सिंह को एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि रामधुन गाने पर कहीं सोनिया गांधी या राहुल गांधी उनके खिलाफ फतवा नहीं जारी कर दें।

तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किसानों की जीत, पीएम मोदी के अंहकार की हार

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की केंद्र की घोषणा को ''किसानों की जीत बताकर कहा कि केंद्र सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाना चाहिए। राजद की रजत जयंती के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर लालू यादव ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कानून वापस लेने का फैसला किसानों की जीत है। नरेंद्र मोदी और अहंकार की हार हुई है। हालांकि, एमएसपी पर कानून बनने तक संघर्ष जारी रहेगा।''लालू ने दावा किया कि राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ राजग हाल ही में किसानों द्वारा राजद को मिले भारी और अभूतपूर्व समर्थन से बौखला गया था। लालू ने कहा, हमारी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में राज्य में सरकार बनाएगी। राजद सुप्रीमो ने कहा कि उनकी पार्टी में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने कहा, ''हम अगले बिहार विधानसभा चुनाव में महिलाओं को और अधिक संख्या में टिकट दी जाएगी। राजद प्रमुख ने राजद के प्रदेश मुख्यालय परिसर में एक नवनिर्मित 6 टन वजनी विशाल लालटेन का भी अनावरण किया जोकि जो पार्टी का चुनाव चिन्ह है।

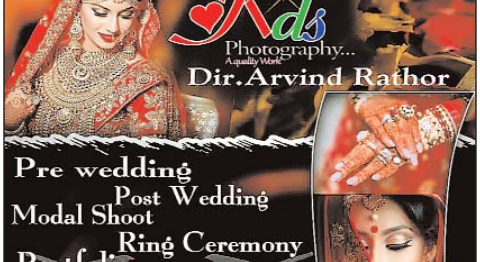

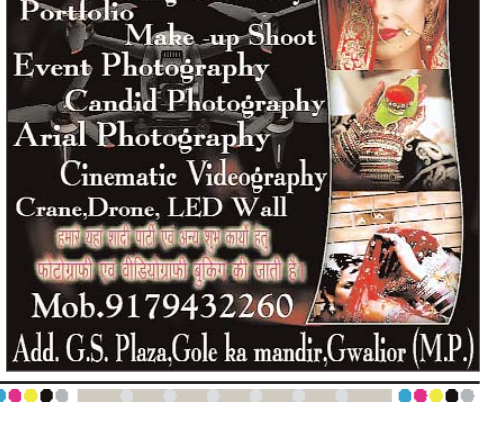

न्यूज़ ट्रैक....

उज्जैन के 5 पहलवानों ने जीते पदक

उज्जैन । नीमच में आयोजित 15 वर्षीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में अवंतिका रेसलिंग सेंटर के पहलवानों ने 5 पदक जीते। संस्था अध्यक्ष पवन यादव ने बताया कि वरदान राठौर ने 44 किलो फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक तथा पूजा राणा ने 50 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता। वहीं सेंटर के निश्चित जैसवाल ने 41 किलो एवं सुफियान खान ने 44 किलो में रजत पदक जीता। गौरव ने 75 केजी ग्रीको रोमन में कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी पहलवान खेल युवा कल्याण विभाग उज्जैन में पदस्थ एनआईएस कोच वीरेंद्र निचित और पवन गुलिया से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

जूनियर जिला बैडमिंटन स्पर्धा 25 से

इन्दौर । इन्दौर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित मिनी, सब जूनियर व जूनियर जिला बैडमिंटन स्पर्धा 25 से 28 नवंबर तक इन्दौर बैडमिंटन क्लब में आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट के आर्गेनाइजिंग सेकेट्री मल्हारी काले ने बताया कि इस स्पर्धा के सभी मुकाबले इन्दौर बैडमिंटन क्लब में ही खेले जायेंगे। इसमें बालक व बालिका वर्ग के अंडर-13, 15 व 17 आयु समूह में एकल व युगल मुकाबले होंगे। स्पर्धा के लिए 100 से अधिक खिलाड़ियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई है।

अय्यर 303वें भारतीय टेस्ट क्रिकेटर बने

कानपुर । भारतीय टीम ने बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम ग्यारह में शामिल किया। इसी के साथ ही श्रेयस टेस्ट पदार्पण करने वाले 303वें भारतीय क्रिकेटर बने हैं। महान बल्लेबाज और लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे सुनील गावस्कर ने श्रेयस को टेस्ट कैप सौंपी। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि गावस्कर के लिए यह मैदान लकी रहा है। उन्होंने यहां एक शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी आजिंक्य रहाणे के हाथों में है क्योंकि नियमित कप्तान विराट कोहली अवकाश पर हैं। रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कानपुर के ग्रीन पार्क में 5 साल बाद कोई टेस्ट मैच खेला जा रहा है।

स्टार फुटबॉलर बेंजेमा को जेल

बार्सिलोना । फ्रांस और रियाल मैड्रिड के स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा को एक साल जेल की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही इस फुटबॉलर पर 62 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। बेंजमा को यह सजा सेक्स टेप वायरल करने की धमकी देने के कारण सुनाई गई है। गौरतलब है कि साल 2015 में बेंजेमा ने फ्रांस टीम के माथियू वालबुना को सेक्स टेप वायरल करने की धमकी दी थी। इसी कारण तब उन्हें कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रांस की राष्टीय टीम से भी हटा दिया था। वह रियाल मैड्रिड की ओर से खेलते हैं। उन्होंने इस साल हैट्रिक लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई थी। इस सत्र में उ?होंने शानदार प्रदर्शन भी किया और वो 29 नवंबर को पेरिस में दिये जाने वाले बैलन डी अवॉर्ड के भी प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

इन्दौर में पेरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

ओलंपिक पदक विजेता भाविना पटेल 28 से शिविर में भाग लेंगी

इन्दौर । म.प्र. टेबल टेनिस संगठन तथा पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन (इंडिया) के संयुक्त तत्वावधान में देश के चुनिंदा 16 पुरूष तथा महिला पेरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर स्थानीय अभय प्रशाल में शुरू हुआ। इस शिविर में हाल ही में खेले गये टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक विजेता भाविना पटेल व उनके साथ टोक्यो ओलिपिंक खेलने वाली सोनल पटेल भी भाग लें रही है। हालांकि भाविना अभी यूएई में है और इन्दौर पहुंचने पर 28 नवम्बर से इस शिविर में हिस्सा लेंगी। इस शिविर में कुल 8 पुरूष तथा 8 महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। भाविना 23 से 27 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने की वजह से 28 नवंबर से शिविर में हिस्सा लेंगी। इन्दौर की पूर्व अंतर्राष्टीय खिलाड़ी रिंकु आचार्य के साथ ही अहमदाबाद के निलय व्यास तथा उत्तराखंड के जीतेन्द्र सिंह बिष्ट प्रशिक्षण का दायित्व निभा रहे है। शिविर का शुभारंभ सांसद शंकर ललवानी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर म.प्र. टेबल टेनिस संगठन के अध्यक्ष ओम सोनी, महासचिव जयेश आचार्य, नीलेश वेद तथा शिविर संयोजक गौरव पटेल भी उपस्थित थे। अंतर्राष्टीय राष्टीय टेबल टेनिस महासंघ (हाइपरफारमेंस डिविजन) के सौजन्य से उक्त शिविर भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के मार्गदर्शन में आयोजित यह शिविर 3 दिसंबर तक जारी रहेगा।

इंडियन मास्टर्स पिकलबाल स्पर्धा के लिए मध्य प्रदेश टीम घोषित

भोपाल। इंडियन पिकलबाल एसोसिएशन के तहत महाराष्ट्र पिकलबाल एसोसिएशन द्वारा मुम्बई में आयोजित इंडियन मास्टर्स मास्टर्स खुली पिकलबाल स्पर्धा में भाग लेने वाली मध्य प्रदेश टीम की घोषणा कर दी गई है। मध्य प्रदेश पिकलबाल एसोसिएशन अध्यक्ष धर्मेश यशलहा ने बताया कि इंडियन मास्टर्स खुली पिकलबाल स्पर्धा 26 से 28 नवम्बर तक मुम्बई के अंधेरी रिक्रिएशन क्लब में होगी। स्पर्धा में पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित युगल एवं बुजुर्ग युगल वर्ग मुकाबले होंगे। मध्य प्रदेश पिकलबाल टीम में हरेंद्र सिंह दांगी, संचय जैन, प्रियांशु राठौर, अजय सिंह रावत, आशुतोष मेहता, रितिक चौहान, अभिरुचि बागोरा, रितिका यादव, संजना काला और कृतिका गिरि को शामिल किया गया है। म.प्र. पिकलबाल एसो. के सचिव बलवंत सालुंके टीम के प्रशिक्षक और धर्मेश यशलहा प्रबंधक होंगे। पॉच सदस्यों की आफिशियल टीम भी साथ जा रही है। पिकलबाल की अखिल भारतीय रैंकिंग स्पर्धा दो साल बाद हो रही है, कोरोना काल की वजह से गतिविधियां नहीं हो रही थी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों में हरेंद्र सिंह दांगी, कृतिका गिरि, अभिरुचि बागोरा, रितिका यादव आदि पहले भी अखिल भारतीय पिकलबाल स्पर्धाओं में सफलताएं हासिल कर चुके हैं।

अपनी फार्म को लेकर परेशान नहीं हैं रहाणे

कानपुर । न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि अपने हैं क्योंकि हर बार शतक नहीं लगाया जा सकता है। रहाणे ने कहा कि अगर किसी बल्लेबाज के कम रन बनाने के बाद भी टीम को जीत मिल रही है तो उस योगदान को अच्छा ही माना जाएगा। रहाणे ने कहा, मैं अपनी फॉर्म के बारे में चिंतित नहीं हूं। मेरा काम अपनी टीम के जितना संभव हो सके, उतना योगदान करना है। योगदान का मतलब यह नहीं है कि आपको प्रत्येक मैच में 100 रन बनाने की जरूरत है।

वहीं यह तय है कि अगर रहाणे इस

सीरीज में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में शायद ही जगह मिले। इसको लेकर रहाणे का कहना है कि भविष्य में क्या होना वाला है, मैं उसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हूं। भविष्य में जो होना होगा, वो होगा ही इसलिए मुझे वर्तमान में बने रहने की जरूरत है ताकि मैं इस समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं। वहीं यह पूछने पर कि क्या यह संभव है कि बल्लेबाज और कप्तान को अलग-अलग करके देखा जाए? इस पर उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मेरा ध्यान सिर्फ बल्लेबाजी पर होता है और मैं उसी क्षण में होता हूं। यह इतना ही सरल है। जब मैं फील्डिंग कर रहा होता हूं तो मैं सोच रहा होता हूं कि हमारी योजनाए किस तरह की हैं और रणनीति कैसी है।

पांच साल बाद ओलंपिक रजत विजेता निशानेबाज ने की वापसी, पेरिस ओलंपिक पर हैं नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार ने एक आर फिर खेल में वापसी की है। पुलिस उपाधीक्षक के पद पर काम कर रहे विजय ने पांच साल के बाद प्रतिस्पर्धी निशानेबाजी में वापसी की है। वह लंदन ओलंपिक खेलों में पुरुषों के 25 रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत विजेता रहे थे। पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट हासिल करने का प्रयास कर रहे विजय को सबसे पहले राष्टीय चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विजय ने कहा, मैं राष्टीय चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहा हूं। मैं शून्य से शुरुआत कर रहा हूं, क्योंकि मैं पांच साल बाद खेल में वापस आया हूं। उन्होंने कहा, जब मैं निशानेबाजी नहीं कर रहा था तब मैं पुलिस बल में प्रवेश के लिए अपने प्रशिक्षण में बहुत व्यस्त था और फिर एक पुलिसकर्मी के रूप में अपने कर्तव्य निभाने में व्यस्त हो गया. इसलिए मुझे निशानेबाजी जारी रखने का समय नहीं मिला। वहीं अब विभाग ने उन्हें राष्टीय चैम्पियनशिप में भाग लेने की अनुमति दे दी है। विजय का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक 2024 में देश के लिए पदक जीतना है। विजय ने कहा, मैं जानता हूं कि आगे की राह बेहद कठिन होने वाली है क्योंकिमैं लंबे समय के बाद वापसी कर रहा हूं, वहीं दूसरे खिलाड़ी नियमित तौर पर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे निशानेबाजी में वापसी करने की अपनी क्षमता पर भरोसा है। मैं ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहा हूं जिससे मेरा मनोबल बना हुआ है।

क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार बेटी के पिता बने

मेरठ । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पिता बन गए हैं। भुवनेश्वर की पत्नी नूपुर ने बुधवार को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में बेटी को जन्म दिया। मेरठ जिला क्रिकेट एसोसिएशन (एमडीसीए) के कोषाध्यक्ष राकेश गोयल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को भुवनेश्वर कुमार की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया। फिलहाल दोनों पूरी तरीके से स्वस्थ हैं। भुवनेश्वर के बृहस्पतिवार को मेरठ स्थित आवास पर आने की उम्मीद है। गोयल के अनुसार मंगलवार को नूपुर को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। क्रिकेटर की शादी की सालगिरह के अगले दिन उनके घर बच्ची का जन्म हुआ है।

व्यापार न्यूज

वेदांता समूह 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली । वेदांता समूह ने प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज (ईएसजी) मामले में अग्रणी बनने का संकल्प जताया। कंपनी ने कहा कि वह वर्ष 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। वेदांता ने पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज मानकों पर समूह की प्रतिबद्धता जताने वाला अपना बयान जारी किया। उसने अगले दस वर्षों में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए पांच अरब डॉलर के निवेश का संकल्प भी जताया। इस मौके पर वेदांता समूह ने अपने ध्येय वाक्य को भी बदला है। अब वेदांता समाज में सार्थक बदलाव का संदेश देने के लिए अच्छे के लिए बदलते हुए को अपना ध्येय बनाया है। वेदांता ने कहा कि एक विविधिकृत प्राकृतिक संसाधन कंपनी के तौर पर वेदांता टिकाऊ एवं जिम्मेदार वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। यह पर्यावरणीय सहयोग, सामाजिक समता एवं प्रभाव और अच्छे कॉरपोरेट शासन के सिद्धांतों पर निर्भर करता है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 15 पैसे गिरकर खुला

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी और एशियाई बाजारों में मिलेजुले कारोबार की वजह से विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन कमजोरी के साथ खुला। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे की कमजोरी के साथ 74.55 रुपए के स्तर पर खुला। वहीं बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की मजबूती के साथ 74.39 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार में विदेशी मुद्रा में मजबूती की वजह से भारतीय रुपए की धारणा प्रभावित हुई है। जिससे रुपया कमजोर हुआ है।

सेबी ने चांदी ईटीएफ के परिचालन मानक जारी किए

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने चांदी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के परिचालन संबंधी मानक जारी कर ?दिए हैं। इससे निवेशकों को पारदर्शी ढंग से निवेश करने में सुविधा होगी। सेबी ने चांदी ईटीएफ के परिचालन संबंधी अपने मानकों में निवेश उद्देश्यों के बारे में विशिष्ट दिशानिर्देश तय किए हैं। इसके अलावा मूल्यांकन, शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) का निर्धारण, ट्रैकिंग से जुड़ी खामी और खुलासा जरूरतों के बारे में भी निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल भारतीय म्यूचुअल फंडों को सिर्फ स्वर्ण ईटीएफ लाने की अनुमति है लेकिन सेबी के इस परिपत्र के बाद चांदी ईटीएफ का परिचालन आसान होने की उम्मीद है। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा है कि चांदी ईटीएफ को चांदी एवं चांदी से संबंधित निवेश साधनों में न्यूनतम 95 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य होगा।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई । एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एसजीएक्स निफ्टी 20.00 अंक की गिरावट दिखा रहा है। वहीं निक्केई करीब 0.68 फीसदी की बढ़त के साथ 29,500.57 के आसपास दिख रहा है। स्ट्रेट टाइम्स में 0.22 फीसदी की कमजोरी दिखा रहा है। ताइवान का बाजार 0.16 फीसदी चढ़कर 17,671.15 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जबकि हैंगसेंग 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 24,637.94 के स्तर पर नजर आ रहा है।

कमजोरी के साथ खुले बाजार

सेंसेक्स 58380 और निफ्टी 17,428 पर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन शेयर बाजार कमजोरी के साथ खुला। एशियाई बाजारों में मिले-जुले रूझानों के बीच 25 नवंबर को बीएसई और एनएसई में कारोबार की सुस्त शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स व निफ्टी में मामूली उतार-चढ़ाव नजर आ रहा है। अधिकतर बैंकिंग शेयरों में बिकवाली का दबाव है। सेंसेक्स 14 अंकों की बढ़त के साथ 58380 के स्तर पर था तो निफ्टी 13.65 अंक ऊपर 17,428.70 के स्तर पर। निफ्टी टॉप लूजर में आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम सीमेंट, आईओसी, कोल

इंडिया और एनटीपीसी के स्टॉक्स थे तो टाप गेनर में यूपीएल, टेक महिंद्रा, रिलायंस, कोटक बैंक और इन्फोसिस के शेयर हैं। शेयर बाजार में बुधवार को कारोबार के आखिरी घंटे में की गई बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 323 अंक से अधिक लुढ़क गया। मुख्य रूप से इन्फोसिस, रिलायंस और एचडीएफसी में नुकसान से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान ज्यादातर समय बढ़त में था। पर आखिर में यह बिकवाली दबाव से 323.34 अंक की गिरावट के साथ 58,340.99 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.30 अंक की गिरावट के साथ 17,415.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में मारुति, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, आईटीसी, रिलायंस, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी सर्वाधिक 2.62 प्रतिशत तक नुकसान में रहे।

अमेरिका में बेरोजगारी के दावे निम्न स्तर पर

वाशिंगटन । बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले हफ्ते गिरकर आधी सदी से भी अधिक के निम्नतम स्तर पर आ गयी। यह इस बात का एक और संकेत है कि अमेरिकी रोजगार बाजार पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से आई मंदी से तेजी से उबर रहा है। बेरोजगारी लाभ के दावे में 71,000 की कमी आयी और यह 1,99,000 रहा। यह 1969 के मध्य नवंबर के बाद से सबसे कम है। थैंक्सगिविंग (त्योहार) अवकाश के आसपास मौसमी समायोजन ने अपेक्षा से अधिक हुई इस गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दावों का चार-सप्ताह का औसत भी गिर गया, जो साप्ताहिक उतार-चढ़ाव को सुचारू करता है। यह 21,000 की कमी के साथ 2,52,000 हो गया। यह मार्च 2020 के मध्य के बाद से सबसे कम है, जब महामारी ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया था।

-यूजर्स को मूवी और गेमिंग के लिए मिलेगी बड़ी स्क्रीन

वन प्लस का फोल्डेबल स्मार्टफोन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली । स्मार्टफोन्स बनाने वाली कंपनी वन प्लस एक फोल्डेबल स्मार्टफोन जल्द लॉन्च करने वाली है। इस कैटेगरी में कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स पहले ही ऑफर कर रही हैं जिनमें अब जल्द ही वन प्लस का नाम भी शामिल होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, वन प्लस के इस स्मार्टफोन को तीन तरह से फोल्ड किया जा पाएगा जो कि मार्केट में पहली बार होने वाला है। हालांकि इस स्मार्टफोन में और क्या खूबियां होंगी इस बारे में अभी तक कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।हालांकि मार्केट में मौजूद स्मार्टफोन्स के कस्टमर सीमित हैं क्योंकि इन स्मार्टफोन्स के साथ एक सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि इन्हें आप रफली यूज नहीं कर सकते हैं और इन्हें इस्तेमाल करने के दौरान आपको खास सावधानी बरतनी पड़ती है। जिस तरह से आप अपने नॉर्मल स्मार्टफोन्स का इस्तेमाल करते हैं अगर उस तरह आप फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को नहीं चला सकते हैं। अगर ये स्मार्टफोन्स जमीन पर गिर जाएं तो इनमें डैमेज की संभावना काफी ज्यादा रहती है।

जानकारी के अनुसार कंपनी ने इस फोल्डेबल फोन का पेटेंट साल 2020 में डाइल किया था जो अब पब्लिश हुआ है। अगर मौजूदा समय में फोल्डेबल स्मार्टफोन्स की बात करें तो इनमें सैमसंग गैलेक्सी झेड फलीप3, मोटोरोला राजर 5जी और शाओमी एमआई मिक्स फोल्ड जैसे स्मार्टफोन्स मौजूद हैं जिनकी काफी डिमांड जरूर है लेकिन फिर भी इनकी पहुंच अभी वहां तक नहीं हुई है जहां तक कंपनी ने अनुमान लगाया था और इसके पीछे वजह है इनका ज्यादा-रख रखाव मांगने वाला डिजाइन।

5 से 10 फीसदी मंहगा हुआ बच्चों का पंसदीदा बिस्कुट पारलेजी

नई दिल्ली । देश में टमाटर के भाव में तेजी दिख रही हैं, वहीं प्रमुख खाद्य कंपनी पारले ने उत्पादन लागत में वृद्धि को देखकर अपने उत्पादों की सभी श्रेणियों में कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत की वृद्धि की है। कंपनी ने कहा कि चीनी, गेहूं और खाद्य तेल जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के चलते यह कदम उठाना पड़ा है। बिस्कुट खंड में पारले के उत्पादों में पारले जी, हाइड एंड सीक और क्रैकजैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं। कंपनी ने रस्क और केक खंड में कीमतों में क्रमशः 5-10 प्रतिशत और 7-8 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसका सबसे लोकप्रिय ग्लूकोज बिस्किट पारले जी अब 6-7 प्रतिशत महंगा हुआ है। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख ने कहा कि हमने कीमतों में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 20 रुपये या अधिक मूल्य के बिस्कुट और अन्य उत्पादों के दाम बढ़ाए हैं। वहीं कीमतों को आकर्षक स्तर पर बनाए रखने के लिए पैकेट के 'ग्राम' में कटौती की है।

देश में 80 प्रतिशत महिलाओं के पास बैंक एकाउंट

पिछले सर्वे के आंकड़ों से तुलना करें तो इस संख्या में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई

नई दिल्ली । भारत में शहरी क्षेत्र की 81 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपना बैंक अकाउंट है जिसे वे खुद चलाती हैं। इसी तरह ग्रामीण इलाके में 77.4 फ़ीसदी महिलाओं के पास बैंक अकाउंट है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अगर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 के आंकड़ों से तुलना करें तो इस संख्या में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। एनएफएचएस-4 साल 2015-16 में किया गया था। उस समय देश में 53 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपने बैंक अकाउंट थे, अब यह संख्या 78.6 फ़ीसदी पर पहुंच गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सवे (एनएफएचएस-5) से यह भी जानकारी मिली है कि अब महिलाएं घर के फैसलों में कितनी हिस्सेदारी करने लगी हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे फाइव के आंकड़ों के मुताबिक यह भी पता चलता है कि शादीशुदा महिलाएं घर के तीन बड़े फैसलों में अब सक्रिय भागीदारी कर रही हैं। इनमें अपने लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, घर की बड़ी खरीदारी के फैसले करना और अपने परिवार या रिश्तेदारों के यहां जाने से संबंधित फैसला शामिल है। एनएफएसएच-5 के आंकड़ों के मुताबिक शहरी इलाके की 91 फीसदी महिलाएं इस तरह के फैसलों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जबकि ग्रामीण इलाके में इन तीनों फैसले में महिलाओं की हिस्सेदारी 87.7 फीसदी है। साल 2015-16 में घर के बड़े फैसले करने में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी थी। देश भर में इन तीन बड़े मामले में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अब बढ़कर 88.7 फीसदी पर पहुंच गई है। अगर संपत्ति की बात करें तो इसमें महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है। साल 2015-16 में महिलाओं के नाम पर प्रॉपर्टी की संख्या 38.4 फीसदी थी जो अब बढ़कर 43.3 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे साफ है कि भारत में महिलाओं के पास संपत्ति या जमीन का मालिकाना हक अभी भी निचले स्तर पर है। गौरतलब है कि ग्रामीण इलाके की 45.7 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपने नाम पर संपत्ति है जबकि शहरी इलाकों में यह संख्या 38.3 फीसदी है। अगर बात महिलाओं के पास मौजूद मोबाइल फोन की करें तो शहरी इलाके में करीब 70 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपना मोबाइल फोन है।

सबका साथ सबका विकास कहने वाली भाजपा सरकार ने घोटा आमजन का गलाः सुधांशू त्रिपाठी

भाजपा सरकार में बडा भ्रष्टाचार प्रतिदिन गिर रही अर्थव्यवस्था

भिण्ड। केंद्र सरकार की नीतियों और महंगाई के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह के नेतृत्व में 25 नवंबर गुरुवार को जन.जागरण यात्रा निकाली गई।यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश के सह प्रभारी सुधांशु त्रिपाठी मौजूद रहे।यह यात्रा आजी माता मंदिर परिसर से अडोखर होते हुए कमनपुरा, मदनपुरा, गोकुलपुरा, रोहरा मोड होते हुए अमायन तक गई। इस दौरान लोगो का जन जागरण यात्रा में खूब समर्थन मिला जगह-जगह आए हुए अतिथियों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। जन जागरण यात्रा में कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार मुर्दाबादएप्रधानमंत्री इस्तीफा दो आदि नारे लगाए।लोगो को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि मोदी सरकार महंगाई रोकने में विफल हैएवह सिर्फ सरकारी संपत्तियों को बेचने में व्यस्त है।वही त्रिपाठी ने कहा कि नोटबंदी के बाद जीएसटी लागू किया गया। इसके बाद से लगातार किसी न किसी वजह से महंगाई में वृद्धि हो रही है। पिछले दो साल से कोरोना संक्रमण की वजह से सभी व्यापार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।ऐसी विषम परिस्थिति में भी सरकार की अनुचित नीतियों की वजह से पेट्रोलएडीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इससे आम जनता पर अतिरिक्त भार बढ़ गया है। इतना ही नहीं सरकार का खाद्य तेल के दाम पर भी कोई नियंत्रण नहीं है। हालत यह है कि आम व्यक्ति का जीवन यापन करना बहुत मुश्किल हो गया है।किसान कतार बद्ध होकर खाद के लिए भटक रहे हैं।इस प्रकार की स्थिति अन्नदाता के लिए कभी भी उत्पन्न नहीं हुई है। सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि तीन काले कानून लागू करने का विरोध करने वाले करीब 750 किसानों की मौत हो गई तब कहीं जाकर उत्तर प्रदेश के चुनाव देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन काले कानूनों को वापस लेने का निर्णय लिया। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है सैकड़ों किसानों की मौत होने के बाद भाजपा सरकार को किसानों की आवाज सुनाई दी है।

भाजपा सरकार में विकाश की जगह बढ़ी गरीबी और भुखमरीः मानसिंह : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह ने कहा कि मोदी सरकार बढ़ती मंहगाई के प्रति पूरी तरह से बेपरवाह है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण बढ़ती गरीबीएभुखमरी से लोगों की अजीविका संकट में है। पेट्रोलए डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी के चलते रोजमर्रा की जरुरत के सामानों दालए तेलए तिलहनए फलों व सब्जियों के दामों की आसमान छूती कीमतों से जीवन बेहाल है।कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचारए और गरीब विरोधी परिचलन के खिलाफ जन जागरण पोल खोल यात्रा के द्वारा इनकी नाकामियों को जनता तक पहुंचाएगी।

केंद्र सरकार की विफलताओं का खामियाजा भुगत रही है आम जनताः हेमंतः इतना ही नहीं केंद्र सरकार की विफलता का खामियाजा गरीब जनता भुगत रही है। वही पूर्व विधायक हेमंत कटारे ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से किसान और ग्रामीणों को जीवनयापन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाढ़ आपदा के समय में भाजपा के मंत्री विधायक किसानों का दर्द बांटने तक नहीं आए।किसानों की मदद करने की बजाय भाजपा के मंत्री ने उन्हें फटकार लगाने का काम किया।

भाजपा ने की अमायन की जनता के साथ दोहरी राजनीतिःराहुल भदौरिया : युवा नेता राहुल भदोरिया ने अमायन क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि किस प्रकार क्षेत्र के लोगों को खाद की एक.एक बोरी के लिए सुबह 4रू00 बजे से लाइन में लगकर इंतजार करने के बावजूद भी रात को खाली हाथ पुलिस की लाठी डंडे खाने के बाद लौटना पड़ा। जबकि भाजपा नेताओं के गुर्गों ने अपने चहेतों को दस दस खाद की बोरीया दिलवाई।वही कोरोना काल में अन्य राज्यों से नौकरी छोड़कर गृह गांव में रह रहे युवाओं को मनरेगा के तहत रोजगार तक नहीं मिल पा रहा है।

30 एमपीबीएन की 73 वीं वर्षगांठ पर गतिविधियां की गई आयोजित

भिण्ड। 30 एमपी बटालियन की 73 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष मेंए 30 एमपी बीएन एनसीसी भिंड के कमान अधिकारी कर्नल राजीव शर्मा के निर्देशानुसार एवं सूबेदार मेजर बृजेश शर्मा की देखरेख में निम्न गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें 30 एमपी बीएन एनसीसी भिंड के कमान अधिकारी कर्नल राजीव शर्मा, सूबेदार मेजर बृजेश सिंह, सूबेदार पी मंडल, बीएचएम राजकुमार सिंह, हवलदार वीरबहादुर सिंह, हवलदार ध्रुवसिंह, हवलदार जितेंद्र सिंह, नायक प्रदीप सिंह एवं एमजेएस कॉलेज एवं जैन कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।। एनसीसी कैडेट्स ने 30 एमपी बीएन एनसीसी 73 वी वर्षगांठ के उपलक्ष में साइकिल रैली, पदयात्रा,स्टेचू क्लीनिंग,वृक्षारोपण एवं वृद्ध आश्रम में जाकर स्वल्पाहार वितरित किया। साइकिल रैली मैं एनसीसी कैडेट्स ने प्लकार्ड लेकर के भिंड शहर के सुभाष तिराहा से कर्नल राजीव शर्मा द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना कि गई यह रैली शास्त्री चौराहा से होती हुई नंबर 1 स्कूल में समापन कर एनसीसी सोंग एवं एनसीसी कैडेट्स को स्वल्पाहार दिया गया। वही एनसीसी कैडेट्स होने पदयात्रा करो लोगों को स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के लिए जागरूक किया। कर्नल राजीव शर्मा के निर्देशन से एनसीसी कैडेट्स ने वृद्धा आश्रम जाकर वृद्धजनों से उनका हालचाल पूछा एवं उन्हें कुछ स्वल्पाहार दिया एवं एनसीसी कैडेट्स ने नंबर 1 स्कूल में जाकर स्टेचू क्लीनिंग एवं वृक्षारोपण कर लोगों को जागरूक किया।

नैनो न्यूज

पुराने क्रेशर विवाद को लेकर युवक के साथ मारपीट, बंदूक से फायरिंग

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र के डिरमनपाली के पास एक युवक जा रहा था, इसी दौरान पुरानी रंजिश क्रेश करे विवाद के चलते उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज करते हुए पांच लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं उक्त लोगों ने बंदूक से हवाई फायर भी किये, पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपीगणों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार भानू पुत्र सुशील सिकरवार निवासी सैनिक कॉलोनी पिंटो पार्क ने बताया विगत 22 नवम्बर दोपहर 11.30 बजे वह क्षेत्र के डिरमनपाली के पास से गुजर रहा था, इसी दौरान रामलखन गुर्जर, जोगा गुर्जर, रणवीर जाटव, चेतन गुप्ता, रामलखन जाटव निवासीगण गोहद ने एकराय घेराबंदी करते हुए मारपीट कर गाली-गलौज किया और जान से मारने की धमकी दी, इतना ही नहीं 315 बोर की बंदूक से गोलियां चलाई जिससे उसका जीवन संकट में पड़ गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उक्त लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

कार ने सायकल में मारी टक्कर, किशोर घायल

भिण्ड। फूप थाना क्षेत्र के भिण्ड-इटावा रोड बंबा की पुलिया के पास होते हुए एक किशोर सायकल से जा रहा था, इसी दौरान कार के चालक ने तेज व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी और किशोर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार बुधवार शाम 5 बजे रितिक पुत्र उत्तम गोयल निवासी वार्ड क्र.15 बक्सीपुरा ने बताया वह सायकल से क्षेत्र के भिण्ड-इटावा रोड बंबा की पुलिया के पास से गुजर रहा था, इसी दौरान अज्ञात कार क्रमांक यूपी75एसी1116 के चालक ने तेज व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी और वह घायल हो गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

सडक हादसे में घायल महिला की इलाज की दौरान मौत

भिण्ड। भारौली थाना क्षेत्रान्तर्गत विगत दिनो एक महिला सड़क हादसे में घायल हो गई थी, जिसे उपचर के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग डायरी पर से प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुड्डी देवी पत्नी कप्तानसिंह परिहार उम्र 42 वर्ष निवासी बिजौरा थाना डिपार जिला-दतिया की विगत 18 नवम्बर दोपहर 12.55 बजे भारौली थाना क्षेत्रान्तर्गत सड़क हादसे में घायल हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उसे उपचार के लिए ट्रामा सेन्टर जेएएच ग्वालियर में भर्ती कराया था।

शराब पीने के लिए मांगे रुपये न देने पर किशोर की मारपीट

भिण्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी में एनडी सर की कोचिंग के बाहर एक किशोर से रंगदारी के चलते दो लोगों ने शराब पीने के लिए रुपये मांगे, जब उसने देने से मना किया तो उक्त लोग गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने लगे।

कार्य में लापरवाही बरतने पर डाईट भिण्ड के सहायक शिक्षक एवं सहायक ग्रेड-दो निलंबित

भिण्ड। कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस कार्य में लापरवाही बरतने पर डाईट के सहायक शिक्षक (कनिष्ठ व्याख्याता) श्री दिनेशसिंह भदौरिया एवं सहायक ग्रेड-दो देवेन्द्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय विकास खण्ड षिक्षा अधिकारी विकास खण्ड रौन नियत किया है। कलेक्टर ने आदेष में बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल म0प्र0 भोपाल द्वारा वर्ष 2021 की आयोजित डी.एल.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के परीक्षा के छात्राध्यापाकों के आंतरिक परीक्षा के मूल्यांकन के अंक ऑनलाइन प्रविष्टि कर 16. अगस्त 2021 से 26 अगस्त 2021 तक मण्डल को प्रेषित किये जाने थे जो दिनेश सिंह भदौरिया, सहा0शि0 (कनिष्ट व्याख्याता) एवं सहायक ग्रेड-दो देवेन्द्र शर्मा डाइट भिण्ड द्वारा प्रेषित नहीं किये गये, उक्त कार्य हेतु निर्देष के बावजूद भी पुनः आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक नहीं भेजे गये साथ ही आपके द्वारा आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन के अंक भेजने की 25 सितम्बर 2021 अंकित की गई जो गलत एवं भ्रामक होने के साथ त्रुटिपूर्ण थी। आपके द्वारा नियत समय-सीमा में ऑनलाइन अंकों की प्रविष्टि नहीं गई एवं सॉफ्ट एवं हार्डकॉपी मण्डल की ओर प्रेषित नहीं की गई जो आपकी गम्भीर लापरवाही को परिलक्षित करता है जिसके कारण संस्था डाइट भिण्ड में अध्ययरनरत 153 छात्राध्यापकों का परीक्षा परिणाम मण्डल द्वारा अनुत्तीर्ण घोषित किया गया, आपने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड किया जिससे छात्राध्यापकों को मानसिक पीडा एवं समाज में छवि धूमिल हुई। जिला शिक्षा अधिकारी जिला भिण्ड द्वारा आपको कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये। आपका उक्त कृत्य शासनादेशों की अवहेलना एवं पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है। आपका उक्त कृत्य प्रथम दृष्ट्या दोष सिद्ध करता है।

राष्ट्रीय एकता शिविर में प्रतिनिधित्व कर लौटे आदित्य दुवे

भिण्ड। शहर के शासकीय एमजेएस महाविद्यालय भिंड के बीए तृतीय वर्ष के छात्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 के स्वयंसेवक आदित्य दुबे पुत्र सुधीर दुबे भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय नई दिल्ली राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की ओर से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर किया पुनः नगर आगमन। प्रथम भिंड आगमन पर बस स्टैंड पर उनका स्वागत रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आरए शर्मा के साथ-साथ वरिष्ठ स्वयंसेवक सौरभ खंडेलवाल, धर्मेंद्रसिंह तोमर, आरती राजावत, अरुचि राजावत, अंशुल हरिऔध, नेहा शर्मा, शिवम गजरोलिया, सीमा महेश्वर के साथ-साथ अन्य स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

दो युवक गिरफ्तार 5 हथियार व कारतूस जब्त

भिण्ड। पुलिस अधीक्षकमनोज सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षकआनंद के निर्देशन में थाना प्रभारी राय थाना देहात निरीक्षक रामबाबू सिंह यादव द्वारा लगातार थाना क्षेत्र में अपराधियों पर शिकंजा कसा जाकर करीब 30 अवैध हथियार लेकर घूमने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है । इसी तारतम्य में दिनांक 24 व 25 नवम्बर की दरमियानी रात को विरधन पुरा की पुलिया पर अवैध हथियारों की तस्करी के लिये खड़े आरोपी धर्मसिंह सिंह यादव उम्र 46 यादव पुत्र भारत साल निवासी गांधी नगर भिण्ड के कब्जे से दो 315 बोर के देशी कटटे तथा दो जिन्दा राउण्ड तथा आरोपी बृजमोहन सिंह भदौरिया पुत्र स्व. कमल सिंह भदौरिया उम्र 45 साल नि0 हाउसिंग कालोनी भिण्ड के कब्जे से तीन 315 बोर के देशी कटटे समय तीन जिन्दा राउण्ड के गिरफ्तार किया गया। आरोपी धर्मसिंह यादव आदतन अपराधी है जिस पर पूर्व में अवैध हथियार रखने के मामले थाना देहात व सिटी कोतवाली में पंजीबद्ध है। जिनसे और अवैध हथियारों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। सायबर सेल भिण्ड द्वारा उक्त तस्करों को ट्रेस करने में अहम भूमिका निभाई।

शराब की फैक्ट्री पर पुलिस ने की छापा मार कार्रवाई एक आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक के धरपकट अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे एवं एसडीओपी अरविंद के निर्देशन में विगत 25 नवम्बर को ग्राम मानहड़ में मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर 8 पेटी मेकडबल ग्रेजी शराब, 8 पेटी हंटर बीयर, 12 पेटी फ्रूटी शराब, 47 पेदी देशी मसाला मदिरा प्लेन कीमत करीब 10लाख रुपये एवं वारदाना ढक्कन रैपर 50 लीटर ओपी शराब पैकिंग करने की मशीन, थर्मा मीटर, खाली क्वाटर आदि जब्त किये गये। आरोपी पुरुषोत्तम पुत्र हरदेव सिंह भदौरिया को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पिंटू भदौरिया मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश करने में जुटी हुई है। गोरमी थाना प्रभारी सुरेश शर्मा ने बताया कि मुखबिर जरिए सूचना मिली थी कि क्षेत्र के मानहड़ में शराब की फैक्ट्री संचालित हो रही है जिसकी सूचना पर गुरुवार दोपहर दबिश देकर एक आरोपी पुरुषोत्तम को हिरासत में लिया वहीं दूसरा आरोपी पिंटू मौके से फरार हो गया है।

यह सामग्री की गई जब्त

आरोपियों के पास से बरामद माल 8 पेटी मेकडबल अंग्रेजी शराब, 8 पेटी हंटर बीयर, 12 पेटी फ्रूटी शराब, 47 पेटी देशी मशाला मदिरा कीमत करीबन 10 लाख रूपये एवं वारदाना ढक्कन, रैपर, 50 ली0 ओपी शराबए पैकिंग करने की मशीन, थर्मा मीटर खाली क्वार्टर आदि जब्त किये गये है।

गरीब परिवारों को कोरोना के दुष्प्रभावों से उबरने में मदद देगा मोदी सरकार का निर्णयः नाथू सिंह गुर्जर'

भिण्ड। भिण्ड, समाज के अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति, प्रत्येक समाज और वर्गों के गरीब परिवार मोदी सरकार की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रहे हैं । कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन देने का दुनिया का सबसे बडा और अनूठा अभियान चलाया था। अब केंद्र सरकार ने इस योजना की अवधि मार्च 2022 तक ब?ा दी है जिससे गरीब परिवारों को कोरोना के कारण पैदा हुई समस्याओं से उबरने में मदद मिलेगी। इस निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी तथा केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त् करता हूं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि बढाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कही। जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान देश के गरीब परिवारोंए छोटे कारोबारियों मजदूरों की समस्याओं को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की थी जिसने अत्यंत कठिन समय में इन परिवारों की सहायता की । केंद्र सरकार की इस योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड गरीबों को नवंबर माह तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराया था लेकिन इन परिवारों की स्थिति और कोरोना के आघातों को देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना की अवधि को मार्च 2022 तक बढा दिया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से गरीब परिवारों को मार्च 2022 तक मुफ्त राशन मिलेगा जिससे उन्हें कोरोना के दुष्प्रभावों का पूरी ताकत से मुकाबला करने का हौसला मिलेगा और ये परिवार अपना ध्यान काम-धंधे को जमाने पर केंद्रित कर सकेंगे।

शहर को स्वच्छ बनाने गठित होगा टास्क फोर्स, सदर विधायक व कलेक्टर नागरिकों के साथ ली बैठक

विधायक बोले पहले एक वार्ड में काम खत्म करें, जिसके बाद दूसरे वार्ड में आगे बढ़ेः विधायक संजीवसिंह

भिण्ड। शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नगरपालिका 25 से 30 सफाई कर्मचारियों का एक टास्क फोर्स बनाएगी। साथ ही शहर में ऐसे स्थानों को चिंहित किया जाए, जहां अक्सर कचरे का ढेर लगता है। वहां डस्टबिन रखवाएं जाएं। शहर में सूअर बहुत बढ़ रहे हैं, इनका भी इलाज किया जाए। इसके अलावा टाटा कंपनी जो काम कर रही है, उसे निर्देशित किया जाए कि वह पहले एक वार्ड में पूरा काम खत्म करेए उसके बाद दूसरे वार्ड में आगे बढ़े। यह बातें भिंड विधायक संजीव सिंह कुशवाह उर्फसंजू ने मंगलवार की शाम नक्षत्र वाटिका में आयोजित मिशन स्वच्छ की बैठक में कही। इस मौके पर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस सहित शहर के प्रबुद्ध वर्ग के लोग मौजूद थे। दरअसल स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में भिंड की स्थिति प्रदेश में सबसे अधिक खराब आने पर मिशन स्वच्छ के बैनर से शहर के प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में सभी लोगों ने शहर को साफ स्वच्छ कैसे बनाया जाएए इस पर विचार रखे। सभी के विचार सुनने के पश्चात विधायक संजू ने सीएमओ सुरेंद्र शर्मा से पूछा कि क्या कारण है शहर में हर रोज डस्टबिन खाली नहीं किए जाते। हालांकि सीएमओ ने कहा डस्टबिन ज्यादा हैए जबकि गाड़ी एक है। इसलिए दो दिन बाद एक डस्टबिन के खाली होने का नंबर आता है।

गौरी सरोवर से हटायी जाये जल कुंभीः विधायक ने सीएमओ से कहा कि गौरी सरोवर से जलकुंभी हटाए जाने की बात कही। इस दौरान विधायक सड़क पर पशु बांधकर गंदगी करने वालों को नोटिस देने को भी कहा। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ डीके शर्माए जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ अवधेश सोनीए शासकीय उत्कृष्ट उमावि के प्राचार्य पीएस चौहान, डॉ शैलेंद्र परिहार, दानवीर दीक्षित, प्रबल सिंहए सानुज चौहान, राहुल राजावत,अवधेश भदौरिया मौजूद रहे।

कलेक्टर बोले हर साल बदलते हैं पैरामीटरः बैठक में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि ऐसा नहीं है कि नगरपालिका की टीम ने बिल्कुल काम नहीं किया है। सर्वेक्षण के हर साल पैरामीटर बदलते हैं। इस बार कोविड और बाद में बाढ़ के चलते उतनी अधिक तैयारियां नहीं हो पाई। लेकिन यह अच्छी बात है कि अब भिंड के नागरिक इसमें सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने मिशन स्वच्छ की टीम से कहा कि आप तय करें कि क्या करना हैए प्रशासन उनके साथ रहेगा। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अपने अपने अंदाज में विचार रखे।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा चयन स्पर्धा दिनांक 27 नवंबर को

भिण्ड। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भिंड जिले के एथलेटिक्स खिलाड़ियों का चयन 27 नवंबर को समय 11 राजीव गांधी खेल प्रांगण जिला सर्किट हाउस के सामने किया जाएगा । इसमें विभिन्न वर्ग की प्रतियोगिताएं होंगी 14 वर्ष तक के बालक-बालिका 16 वर्ष तक के बालक बालिका 18 वर्ष तक के बालक बालिका 20 वर्ष तक के बालक बालिका तथा पुरुष और महिला वर्ग के चयन होंगे जिला स्तर पर प्रथम आने वाले खिलाडियों का चयन उनके परफॉर्मेंस के आधार पर किया जाएगा इसके बाद आने वाले समय में दिसंबर और जनवरी फर्स्ट वीक तक विभिन्न आयु समूह के राज्य स्तरीय कंपटीशन में ऐसे बालकों को बालिकाओं तथा पुरुष महिला को खेलने का मौका मिलेगा प्रमुख रूप से 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर 5000 और 10000 मीटर तथा जूनियर वर्ग के लिए 3000 मीटर की दौड़ और ऊंची कूद लंबी कूद गोला फेंक भाला फेंक के लिए चयनित किया जाएगा खिलाड़ियों को अपना जन्म प्रमाण पत्र या हाईस्कूल की अंकसूची लाना अनिवार्य है उसी के आधार पर उनका चयन किया जाएगा यह जानकारी भिंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव तथा मध्य प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन के चयन समिति के सदस्य राधे गोपाल यादव ने दी है अन्य जानकारी किशोरी स्पोर्ट्स क्लब प्राप्त की जा सकती है।

कानून वापसी पर मुहर

केंद्रीय कैबिनेट ने तीनों नए कृषि कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर गुरु पर्व के दिन इन तीनों कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया था। कैबिनेट की मंजूरी के बाद कानून वापसी के प्रस्ताव को संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में पारित करवाया जाएगा। इसके बाद किसान आंदोलन की वजह बने तीनों कृषि कानून खत्म हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को देश के नाम अपने संबोधन में तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार ये कानून किसानों के हित में नेक नीयत से लाई थी, लेकिन हम कुछ किसानों को समझाने में नाकाम रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले संसद सत्र में कानूनों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं, एक्सपर्ट्स के मुताबिक संसद सत्र शुरू होने के बाद कम से कम 3 दिन में ये प्रक्रिया पूरी हो सकती है। संसद सत्र 29 नवंबर से शुरू होना है। तीनों नए कृषि कानूनों को 17 सितंबर, 2020 को लोकसभा ने मंजूर किया था। राष्ट्रपति ने तीनों कानूनों के प्रस्ताव पर 27 सिंतबर को दस्तखत किए थे। इसके बाद से ही किसान संगठनों ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया था। किसी भी कानून को वापस लेने की प्रक्रिया भी उसी तरह होगी, जिस तरह से कोई नया कानून बनाया जाता है। सबसे पहले सरकार संसद के दोनों सदनों में इस संबंध में बिल पेश करेगी। संसद के दोनों सदनों से ये बिल बहुमत के आधार पर पारित किया जाएगा। बिल पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगा। राष्ट्रपति उस पर अपनी मुहर लगाएंगे। राष्ट्रपति की मुहर के बाद सरकार नोटिफिकेशन जारी करेगी। नोटिफिकेशन जारी होते ही कृषि कानून रद्द हो जाएंगे। मगर इससे आंदोलन खत्म हो जाएगा, फिलहाल तो कह पाना मुमकिन नहीं है। किसान जिस तरह से वादे से मुकरे हैं, वह बता रहा है कि अब मुद्दा चुनाव से जुड़ चुका है। यूपी समेत पांच राज्यों के चुनाव सामने हैं और किसान सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका छोड़ना नहीं चाहता। अगले साल की शुरुआत में जिन पांच राज्यों में चुनाव हैं, उनमें पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल हैं। इनमें तीन राज्य पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 75 फीसदी से ज्यादा अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है, यानी किसान ही नहीं मजदूर से लेकर व्यापारी तक, सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से खेती से जुड़े हैं। खासतौर पर पंजाब और उत्तर प्रदेश की राजनीति को कृषि से जुड़े फैसले बेहद प्रभावित करते रहे हैं। यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से करीब 210 सीटों पर किसान ही जीत-हार का फैसला करते हैं। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 40 अर्बन, 51 सेमी अर्बन और 26 रूरल सीट हैं। रूरल के साथ सेमी अर्बन विधानसभा सीटों पर किसानों का वोट बैंक हार-जीत का फैसला करता है, यानी 117 में से 77 सीट पर कृषि कानून की वापसी प्रभाव डाल सकती है। पंजाब मालवा, माझा और दोआबा एरिया में बंटा हुआ है। सबसे ज्यादा 69 सीटें मालवा में हैं। मालवा में ज्यादातर रूरल सीटें हैं, जहां किसानों का दबदबा है। यही इलाका पंजाब की सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भाजपा की निगाहें इसी इलाके में मतदाताओं के बीच सेंध लगाने पर है। साथ ही इन कानूनों की वापसी से जहां कांग्रेस छोड़कर नया दल बनाने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह और भाजपा के गठबंधन की राह साफ हुई है, वहीं कृषि कानूनों के मुद्दे पर भाजपा का साथ छोड़ने वाले अकाली दल के भी दोबारा गले मिलने की संभावना बन गई है। उत्तराखंड के छोटा राज्य होने के बावजूद वहां का पूरा मैदानी इलाका कृषि आधारित काम-धंधों वाला ही है।

आधुनिक एवं धर्मनिरपेक्ष संविधान और सनातन भारत

डॉ अजय खेमरिया

आज ही के दिन (26 नबम्बर1949) हम भारतीयों का संविधान बनकर तैयार हुआ था।आज 72 बर्ष बाद हमारा संविधान क्या अपनी उस मौलिक प्रतिबद्धता की ओर उन्मुख हो रहा है जिसे इसके रचनाकारों ने भारतीयता के प्रधानतत्व को आगे रखकर बनाया था।आज इस सवाल को सेक्यूलरिज्म औरआधुनिकता के आलोक में विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि मूल संविधान की इबारत में यह अवधारणा कहीं थी ही नही इसे तो 1976 में प्रस्तावना में जोड़ा गया है।यहां सवाल यह भी उठाया ही जाना चाहिये कि जिस दलित चेतना के नाम पर अक्सर संविधान को बाबा साहब अंबेडकर की अस्मिता के साथ जोड़ा जाता है क्या उसके साथ बुनियादी खिलवाड़ 1976 में ही नही हो गया है।दलित वर्ग को यह भय अक्सर दिखाया जाता रहा है कि कतिपय मनुवादी मानसिकता आरक्षण को खत्म कर बाबा साहब के बनाये संविधान को बदलना चाहती है लेकिन कभी इस प्रश्न को नही उठाया जाता कि मूल संविधान के साथ बुनियादी छेड़छाड़ क्यों और किस मानसिकता के साथ की गई है? आज इस बात पर सँवाद होना ही चाहिये कि क्या मौलिक रूप से भारत का संविधान उस सनातन जीवन दृष्टि से शासन और राजनीति को दूर रहने की हिदायत देता है क्या? जिसको आधार बनाकर पिछले 75 बर्षो में इस देश की संसदीय राजनीति और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है।अगर हम मूल संविधान की प्रति उठाकर पन्नों को पलटते है तो हमें उसके अंदर सुविख्यात चित्रकार नन्दलाल बोस की कूची से बनाये हुए कुल 22 चित्र नजर आते है।इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते है कि हमारे संविधान निर्माताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी ।इन चित्रों की शुरुआत मोहनजोदड़ो से होती है और फिर वैदिक काल के गुरुकुल, महाकाव्य काल के रामायण में लंका पर प्रभु राम की विजय,गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण,भगवान बुद्ध भगवान महावीर,सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार,(मौर्य काल),गुप्त वंश की कला जिसमें हनुमानजी का दृश्य है,विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला,नटराज की प्रतिमा, भागीरथ की तपस्या से गंगा का अवतरण,मुगलकाल में अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह ,टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई,गांधी जी का दांडी मार्च,नोआखली में दंगा पीड़ितों के बीच गांधी,नेताजी सुभाषचंद्र बोस,हिमालय का दृश्य,रेगिस्तान का दृश्य,महासागर का दृश्य शामिल है।

इन 22 चित्रों के जरिये भारत की महान परम्परा की कहानी बयां की गई है।इनमें राम कृष्ण,हनुमान, बुद्ध, महावीर,विक्रमादित्य, अकबर,टीपू सुल्तान, लक्ष्मीबाई, गांधी,सुभाष,क्यों है?क्या केवल संविधान की किताब को कलात्मक कलेवर देने के लिये ?शायद बिल्कुल नही ।असल में यह चित्र भारत के लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नन्दलाल बोस से बनबाये गए ।यही चित्र संविधान की इबारत के जरिये शासन और सियासत के अभीष्ट निर्धारित किये गए थे।सवाल यह है कि इन्ही 22 चित्रों में नन्दलाल बोस ने रंग क्यों भरा है संविधान की पुस्तक में?इसका बहुत ही सीधा और सरल जबाब यही है कि ये सभी चित्र भारत के महान सांस्कृतिक जीवन और विरासत के ठोस आधार है ये सभी चित्र भारत की अस्मिता के प्रामाणिक दस्तावेज हैं जिनके साथ हर भारतवासी एक तरह के रागात्मक अनुराग जन्मना महसूस करता है।राम,कृष्ण,हनुमान, गीता,बुद्ध,महावीर,नालंदा,गुरु गोविंद असल मे हजारों साल से भारतीय लोकजीवन के दिग्दर्शक है।जाहिर है संविधान की मूल रचना में इन्हें जोड़ने के पीछे यही सोच थी की भारत की आधुनिकता और विकास की यात्रा इन जीवनमूल्यों के आलोक में ही निर्धारित की जाना चाहिये।लेकिन दुःखद अनुभव यह है कि पिछले कुछ दशकों ने भारतीय संविधान निर्माताओं की भावनाओं के उलट देश के शासनतंत्र और चुनावी राजनीति के माध्यम से भारत के

लोकजीवन को धर्मनिरपेक्षता के शोर से दूषित करने का प्रयास किया गया है। यही धर्मनिरपेक्षता की राजनीति भारत के आधुनिक स्वरूप की समझ और स्वीकार्यता को खोखला साबित करने के लिये पर्याप्त इसलिये है क्योंकि परम्परागत भारत और आधुनिक भारत के मध्य जिस संविधान के प्रावधानो को अलगाव का आधार बनाया जाता है असल में वे आधार तो कहीं संविधान के दर्शन में है ही नही। इसलिये सवाल यह है कि क्या 75 साल से संविधान की विकृत व्याख्या के जरिये इस देश की सियासत और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है?जिस राम,कृष्ण,हनुमान, को शासन के स्तर पर सेक्युलरिज्म के शोर में अछूत मान लिया गया क्या वे संविधान निर्माताओं के लिये भी अश्पृश्य थे?क्या राम की मर्यादा,कृष्णा का गीता ज्ञान हनुमान का शौर्य,बोस की वीरता,गुरुकुल की शैक्षणिक व्यवस्था , गांधी के राम राज्य,अकबर का सौहार्द,बुद्ध की करुणा,महावीर की शीलता, गुरुगोविंद सिंह का बलिदान,टीपू और लक्ष्मीबाई के शौर्य का अक्स भारत के साथ समवेत होने से हमारी आधुनिकता में कोई ग्रहण लगाने का काम करता है?हमारे पूर्वजों ने तो ऐसा नही माना इसीलिए मूल संविधान में इन सभी प्रतीकों का समावेश डंके की चोट पर किया है क्योंकि भारत कोई जमीन पर उकेरी गई या जीती गई या समझौता से बनाई गई भौगोलिक सरंचना मात्र नही है यह तो एक जीवंत सभ्यता है जो श्रष्टि के सर्जन के समानांतर चल रही है।26 नबम्बर 1949 को जिस संविधान सभा ने नए विलेख को आत्मार्पित,आत्मसात,किया है असल मे वह परम्परा और आधुनिक भारत के सुमेलन का उदघोष मात्र था।लेकिन कालान्तर में यह धारणा मजबूत हुई कि आधुनिक भारत का आशय सिर्फ पश्चिमी नकल, परंपरागत भारत के विसर्जन के साथ हिन्दू जीवन शैली को अपमानित करने से ही है।इसी बुनियाद पर भारत के शासन तंत्र को बढ़ाने की कोशिशें की गई।जबकि यह भूला दिया गया कि जिस सनातनी संस्कार से परम्परागत भारत भरा है वही आधुनिक भारत को वैश्विक स्वीकार्यता दिला सकता है।दुनिया में शांति,सहअस्तित्व, पर्यावरण सरंक्षण, जैसे आज के ज्वलंत संकटों का समाधान आखिर किस सभ्यता और सेक्युलरिज्म के पास है?सिवाय हमारे उन आदर्शो के जिन्हें आधुनिक लोग पिछड़ेपन की निशानी मानते है। हमें यह याद रखना चाहिये कि जब तक सनातन सभ्यता की व्याप्ति सशक्त नही होगी भारत दुनिया में अपनी वास्तविक हैसियत हासिल नही कर सकता है।दुर्भाग्य से इसी आधार को शिथिल करने में एक बहुत बड़ा वर्ग लगा हुआ है।हमारे पूर्वजों के पास अद्भूत दिव्यदर्शन था इसलिए उन्होंने भारत को धर्मनिरपेक्ष नही बनाया बल्कि धर्मचित्रों को आगे रखकर लोककल्याण के निर्देश स्थापित किये।धर्म हमारी विरासत में इस्लाम या ईसाइयत की तरह पूजा पद्धति नही कर्तव्य का विस्तार है।कर्तव्य भी किसी धर्म विशेष तक सीमित नही है इसे समझने के लिये भारत की संसद के द्वार पर उकेरी गई पंक्ति को देखिये

लोक देवेंरपत्राणर्नु
पश्येम त्वं व्यं वेरा

मतलब-लोगों के कल्याण का मार्ग का खोल दो उन्हके उन्हें बेहतरीन सम्प्रभुता का मार्ग दिखाओ।

संसद के सेंट्रल हाल के द्वार पर लिखा है

अयं निजप्परावेति गणना लघुचेतसाम
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम

भारत सरकार का ध्येय वाक्य ÷सत्यमेव जयते है। इन उद्घघोष में सम्पूर्ण मानव के कल्याण और सद्गुणों की चर्चा है इसलिए संविधान निर्माताओं की गहरी अंतर्दृष्टि को हमें समझना होगा। आज योग दुनिया में लोकस्वास्थ्य का मंत्र बन रहा है। अयोध्या में राम की प्रमाणिकता को सर्वोच्च अदालत स्वीकृति दे चुकी है।

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, %मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा।% यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी।

भारतीय संविधान के जनक थे डा. अम्बेडकर

योगेश कुमार गोयल

विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का संविधान है, जो वैसे तो 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था लेकिन इसे 26 नवम्बर 1949 को ही स्वीकृत कर लिया गया था। इसी दिन भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था, इसीलिए 26 नवम्बर का दिन ही 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन संविधान निर्माता के रूप में डा. भीमराव अम्बेडकर को याद किया जाता है, जिन्होंने दुनिया के सभी संविधानों को परखने के बाद भारतीय संविधान के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा संविधान तैयार किया। भारत का संविधान ऐसा महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और साथ ही हमारे कर्त्तव्यों को भी निर्धारित करता है। संविधान सभा को इसे तैयार करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का लंबा समय लगा था। नरेन्द्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2015 में पहली बार निर्णय लिया गया कि संविधान सभा की निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव अम्बेडकर के 125वें जयंती वर्ष के अवसर पर 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया जाए और तभी से यह दिवस मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। यह दिवस मनाए जाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना तथा डा. भीमराव अम्बेडकर के अमूल्य योगदान और उनके विचारों, आदर्शों का स्मरण करना है। भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति की स्थापना 29 अगस्त 1947 को की गई थी, जिसके अध्यक्ष के तौर पर डा. भीमराव अम्बेडकर की नियुक्ति की गई। पं. जवाहरलाल नेहरू, डा राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद इत्यादि इस

सभा के प्रमुख सदस्य थे। संविधान सभा के अध्यक्ष डा राजेन्द्र प्रसाद थे और नियमानुसार संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर भी उन्हीं के होने चाहिएं थे किन्तु पं. नेहरू ने संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए थे। संविधान का मसौदा तैयार करने में किसी भी प्रकार की टाइपिंग अथवा प्रिंटिंग का इस्तेमाल नहीं किया गया। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया, तभी से हम इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मना रहे हैं। संविधान लागू होने से दो दिन पहले 24 जनवरी 1950 को संविधान की तीनों प्रतियों पर संविधान सभा के 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने गए थे। 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में पहली बार समवेत हुई थी लेकिन मुस्लिम लीग ने अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर इस बैठक का बहिष्कार किया था। 11 दिसम्बर 1946 को हुई संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया और वे संविधान के निर्माण का कार्य पूरा होने तक इस पद पर रहे। 14 अगस्त 1947 को भारत डोमिनियन की प्रभुत्ता सम्पन्न संविधान सभा पुनः समवेत हुई और 29 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत में संविधान सभा द्वारा संविधान निर्मात्री समिति का गठन किया गया, जिसका अध्यक्ष सर्वसम्मति से डा. भीमराव अम्बेडकर को बनाया गया। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली। संविधान के निर्माण कार्य पर कुल 63 लाख 96 हजार 729 रुपये का खर्च आया और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई। संविधान सभा में शुरू में 389 सदस्य थे किन्तु मुस्लिम लीग द्वारा स्वयं को इससे अलग कर लिए जाने के बाद संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 299 रह गई थी। बहुत कम लोगों को ही भारतीय संविधान की पहली प्रति के बारे में मालूम होगा कि संविधान के जो सजे हुए चित्र हम देखते हैं, वह संविधान की पहली हस्तलिखित प्रति के ही चित्र हैं। इस प्रति को दिल्ली निवासी प्रेम बिहारी रायजादा ने कैलीग्राफी के जरिये तैयार किया था। 1400 पन्नों की संविधान की प्रति को अंग्रेजी में रास बिहारी ने और हिन्दी में वी के वैद्य ने लिखा, जिन्होंने इसे लिखने का कार्य एक हफ्ते में ही पूरा कर दिया था। इसी संविधान की तीन प्रतियां बनवाई गई, जिनमें से दो को नंदलाल बोस और राम मनोहर सिन्हा द्वारा सुसज्जित पन्नों पर प्रेम बिहारी रायाजादा ने, एक हिन्दी और दूसरी अंग्रेजी में तैयार किया।

अवसाद के उपचार में पिछड़ते हम?...

सूडोकु नवताल- 5903
✱✱✱✱✲ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5902 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सोनम लववंशी

वर्तमान दौर की अगर कोई सबसे बड़ी चुनौती किसी भी राष्ट्र के सामने है तो वह निसंदेह मानसिक तनाव ही है। इस बीमारी से आज़कल हर आयु वर्ग के लोग पीड़ित हैं, लेकिन भारत में इसे सामान्य मानकर ही आगे बढ़ा जाता है। जो सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात है। बात की शुरुआत ही एक आंकड़े से की जाएं, तो एक रिपोर्ट का ज़िक्र करना बेहद जरूरी हो जाता है। गौरतलब हो कि %द स्टेट आफ द वर्ल्ड चिल्ड्रेन- 2021 आन माय माइंड' के अनुसार भारत में 15 से 24 वर्ष के 41 फ़ीसदी बच्चों व किशोरों ने मानसिक बीमारी के लिए मदद लेने की बात कही है। अब आप सोच सकते हैं कि मानसिक अवसाद किस स्तर पर और कहां-कहां व्याप्त हो चला है, लेकिन इसकी गम्भीरता को शायद अभी सिरे से नकारा जा रहा है। इतना ही नहीं यह रिपोर्ट 21 देशों के करीब 20 हजार बच्चों पर हुए इस सर्वेक्षण से निकलकर आई है। जिसमें करीब 83 फीसदी बच्चे इस बात को लेकर जागरूक दिखे कि मानसिक परेशानियों के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। वहीं भारत के संदर्भ में भी इस विषय को लेकर गंभीरता देखने को मिली लेकिन अभी भी स्थिति अन्य देशों की अपेक्षा उतनी बेहतर नहीं है जितनी की होनी चाहिए। मालूम हो कि आज हर वर्ग के लोग इस भयंकर बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। पल-पल बढ़ता तनाव न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है बल्कि यह हमारे जीवन के लिए भी संकट पैदा कर रहा है। आए दिन लाखों

लोग मानसिक अवसाद के कारण आत्महत्या तक कर लेते है पर अफ़सोस की इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम सजग नहीं हो पा रहे हैं। वहीं बात अगर महिलाओं की ही करे तो समाज में सबसे ज्यादा मानसिक अवसाद का शिकार महिलाएं ही है और इसकी वजह भी है। वह भी ख़ास तौर पर महिलाओं का भावनात्मक रूप से शोषण किया जाना। आज महिलाएं भले ही आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही हो लेकिन इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज भी समाज में महिलाओं का शोषण हो रहा है। पितृसत्तात्मक समाज आज भी महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रहा है। आज भी समाज मे पुरूष वर्ग महिलाओं के जीवन पर स्वामित्व हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं आज भी महिलाओं को पुरुषों के समान न तो अधिकार मिल पाएं हैं और न ही स्वतंत्रता। इसके अलावा महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव उनके जन्म के पूर्व से ही प्रारम्भ हो जाता है और आगे चलकर यही भेदभाव मानसिक तनाव की एक वजह बनता है। गौरतलब हो कि आज समाज में ऐसा कोई वर्ग नहीं जहां महिलाएं प्रताड़ना का शिकार न हो रही हो। बचपन से ही दुर्भावना का शिकार होती महिलाएं मानसिक अवसाद के दलदल में फंसती चली जाती है। हमारे देश के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा था कि भारत, एक सम्भावित मानसिक स्वास्थ्य महामारी का सामना कर रहा है÷। ऐसे में यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, राष्ट्रपति महोदय की यह बात कहीं न कहीं सोलह आने सच है, क्योंकि आज हमारे देश की युवा पीढ़ी तक इस अवसाद से ग्रसित है। हर दिन मानसिक अवसाद के कारण युवा अपनी जान तक ले लेते है, लेकिन अफ़सोस की इस बीमारी के प्रति न हमारी सरकार गम्भीर है और न ही हमारा समाज। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो लगभग सभी उम्र के 280 मिलियन से भी अधिक लोग मानसिक अवसाद का शिकार है। विश्व बैंक का मानना है कि आने वाले 10 सालों में मानसिक अवसाद अन्य बीमारियों की अपेक्षा राष्ट्र पर अधिक असर डालेगा।

इतना ही नहीं हम तो उस देश के नागरिक हैं। जहां सामान्य बोलचाल की भाषा में भी चिंता को चिता के समान माना गया है। फ़िर भी आज़तक मानसिक अवसाद को लेकर कोई गम्भीरता किसी भी तरफ़ से देखने को नहीं मिलती है। वहीं समय समय पर विभिन्न संस्थाओं के द्वारा जारी रिपोर्ट भी यह बताने के लिए काफी है कि इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम अब भी जागरूक नहीं हो रहे है। हमारा देश मानसिक अवसाद के मरीजों की श्रेणी में अग्रणी देशों में शामिल है।

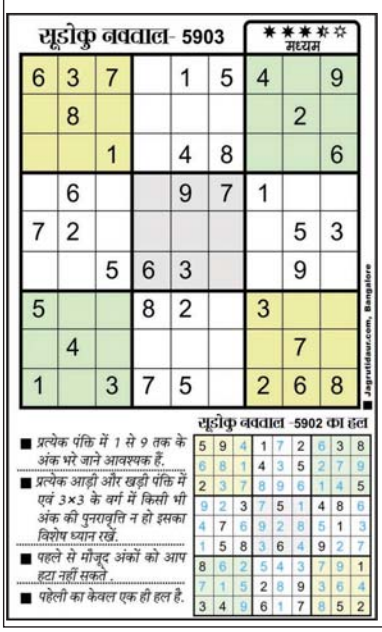

प्रदूषित दिल्ली भगवान भरोसे

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

दिल्ली में प्रदूषण का हाल इतना बुरा है कि इसे दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी कहा जा सकता है, हालांकि यह खिताब अंतरराष्ट्रीय प्रदूषण मापक संस्था ने पाकिस्तान के लाहौर को दे रखा है। दिल्ली की जहरीली हवा पर हमारा सर्वोच्च न्यायालय कई बार काफी सख्त टिप्पणियां कर चुका है लेकिन केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार अभी तक खर्राटे ही खींच रही हैं। इस दिल्ली में दो-दो सरकारें हैं लेकिन दिल्ली का प्रदूषण अन्य बड़े शहरों के मुकाबले दुगुना है। राजनीतिक प्रदूषण जब दिल्ली में बढ़ता है तो लोग उसकी ज्यादा परवाह नहीं करते बल्कि लोग उसका रस लेते हैं लेकिन यह जलवायु-प्रदूषण तो जितना जनता के लिए बुरा है, उससे भी ज्यादा नेताओं के लिए बुरा है, क्योंकि नेता अपने भगतों से मिले-जुले बिना रह नहीं सकते और भीड़-भड़क्के के बिना उनका काम नहीं चलता। सर्वोच्च न्यायालयों के जजों ने कहा है कि हमारी सरकारें प्रदूषण से निपटने में बड़ी लापरवाही कर रही है। वे भगवान भरोसे बैठी रहती हैं। इसीलिए प्रदूषण का स्तर दिल्ली में सबसे ज्यादा है। दिल्ली में आज प्रदूषण-अंक 500 और उससे भी ऊपर दौड़ रहा है जबकि कल सर्वोच्च न्यायालय में सरकारी वकील दुहाई दे रहे थे कि दिल्ली में प्रदूषण घट रहा है, क्योंकि तेज हवा के कारण कुछ घंटों के लिए वह 250 के आस-पास पहुंच गया था। अदालत ने फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार ने पराली जलानेवाले किसानों पर जुर्माना क्यों नहीं थोपा? पराली के कारण प्रदूषण लगभग 30 प्रतिशत हो जाता है जबकि कुछ सरकारी सूत्र कहते रहते हैं कि पराली के कारण वह सिर्फ 2 प्रतिशत होता है। अगर यह सही भी है तो पहले की तरह बाहर से आनेवाले ट्रकों पर इस साल प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया गया? कारों के सम-विषम नंबरों के आधार पर उनके यातायात और परिवहन को क्यों नहीं रोका गया? आम आदमी मुखपट्टी तो बांधे रह सकता है लेकिन उसके घरों में प्रदूषण-नियंत्रण यंत्र वह कहां से लाकर रख सकता है? नोटबंदी और तालाबंदी ने उसका हाल इतना खस्ता कर दिया है कि उसे भरपेट रोटी भी नसीब नहीं है तो वह प्रदूषित हवा से खुद को कैसे बचा सकता है? अदालत ने तो यह भी कहा है कि दिल्ली पर कुछ दिनों के लिए दुबारा तालाबंदी क्यों नहीं थोपी गई? सरकार की तरफ से पेश सफाई में उसके वकील ने अदालत के सामने कई आंकड़े पेश करके यह बताने की कोशिश की कि सरकार ने पुराने धुंआफेंक वाहनों, जहरीले ईंधन से चलनेवाले उद्योगों और अंधाधुंध भवन-निर्माण कार्यों पर तरह-तरह के जुर्माने लगाने में कोई कोताही नहीं की है।

मामला बाजरा खरीदी का: एक पंचायत में 6 खरीदी केंद्र और 8 पंचायत में कोई केंद्र नहीं

नागरिक आपूर्ति जिला प्रबंधक ने सांठगांठ कर बनाए खरीदी केंद्र, पंचायत व स्व सहायता समूह से नजराना लेकर बनाए खरीदी केंद्र

मुरैना। नागरिक आपूर्ति विभाग में 12 वर्षों से पदस्थ जिला प्रबंधक ने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं लांग दी है और गेहूं खरीदी के बाद अब बाजरा खरीदी केंद्र बनाने में भी जमकर भ्रष्टाचार किया गया है, जिन समितियों ने पूर्व में गेहूं खरीदी में पारदर्शिता बरतते हुए अच्छा कार्य किया था, उनको बाजरा खरीदी से ही वंचित कर दिया गया है, क्योंकि वह उनकी फरमाइश पूरी नहीं कर सके। जिला प्रबंधक के भ्रष्टाचार की चर्चाएं पूरे जिले में है, लेकिन जिला कलेक्टर तथा शासन द्वारा उन पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। शासन के नियमानुसार एक ही स्थान पर अधिकारी को 3 वर्ष से अधिक नहीं रोका जा सकता, लेकिन मुरैना में 12 वर्षों से एक ही जिला प्रबंधक पदस्थ है, जो जिले को दीमक की तरह चाट रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर के निर्देशन में बाजरा खरीदी के लिए 80 केंद्र से अधिक बनाए जाने के निर्देश दिए थे, लेकिन नागरिक आपूर्ति विभाग के जिला प्रबंधक एवं उनकी मंडली में शामिल अधीनस्थ कर्मचारियों ने खरीदी केंद्र बनाने में जमकर वसूली कर डाली है और जिन पंचायत में स्व-सहायता समूह संचालकों द्वारा जिला प्रबंधक को नजराना दिया गया है, उन्हीं को खरीदी करने का अधिकार दिया है। स्थिति यह है कि जौरा विकासखंड की छैरा समिति विसंगपुरा समूह एवं अरहेला पंचायत सहित एक किलोमीटर के दायरे में 6 खरीदी केंद्र बना दिए गए हैं और छैरा समिति वाले ने लिख कर दे दिया है कि अब कोई गांव खरीदी से नहीं बचा है, वहीं इसके उलट सुमावली की 8 पंचायतों के 25 गांव के 30 किलोमीटर दायरे में इस बार एक भी बाजरा खरीदी केंद्र नहीं खोला गया है, जिससे इस क्षेत्र के किसान परेशान हैं। पूर्व में एक समिति संचालक ने किसानों को लाभ पहुंचाने और उन को परेशानी से बचाने के लिए गेहूं खरीदी केंद्र जिला प्रबंधक के माध्यम से लोह वसई मैं बनवाया था तथा टारगेट से 3 गुना अधिक खरीदी की और अच्छा कार्य किया, फिर भी उस समिति को बाजरा खरीदी केंद्र नहीं दिया गया और जिला प्रबंधक तथा बीआरसी समिति प्रबंधक को गुमराह करते रहे। बताया जाता है कि जिला प्रबंधक द्वारा समितियों एवं स्व-सहायता समूह से मोटी रकम वसूल कर अंबाह एवं पोरसा में भी काफी बाजरा खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, वहीं जौरा में लगभग 35 बाजरा खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। बाजरा खरीदी में भी गेहूं की तरह घोटाला किया जा रहा है। जिला प्रबंधक द्वारा सेंट्रल वेयरहाउस मे बाजरा ना पहुंचा कर स्टेट वेयरहाउस के अंतर्गत आने वाले प्राइवेट गोदामों में माल पहुंचाया जा रहा है।

रेत के ट्रैक्टर ने बाइक मैं टक्कर मारी, पत्नी की मौत, पति घायल

मुरैना। सिविल लाइन थाना अंतर्गत गुरुवार की सुबह बाइक से मुरैना की ओर आ रहे पति-पत्नी को रेत से भरे ट्रैक्टर ट्राली चालक ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पत्नी की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि पति घायल हो गया। घटना के बाद ट्रैक्टर ट्राली चालक तेज रफ्तार से भाग निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीनिवास कुशवाह निवासी बड़ा हिंगोना थाना सिविल लाइन गुरुवार की सुबह 11 बजे के लगभग अपनी पत्नी नीलम 27 वर्ष को लेकर बाइक से मुरैना होते हुए दिमनी में रहने वाले अपने फूफा को देखने के लिए जा रहा था, जैसे ही उसकी बाइक पलाश होटल के सामने पहुंची तो पीछे से आ रहे रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में जमीन पर गिर कर नीलम की घटनास्थल पर मौत हो गई तो वही श्रीनिवास घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली चालक तेज रफ्तार के साथ मौके से भाग निकला। दुर्घटना देख आसपास के लोग एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पति पत्नी को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने नीलम को मृत घोषित कर दिया। पीएम के बाद नीलम का शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली चालक के विरुद्ध दुर्घटना हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

आवास के लिए जनता का सत्याग्रह, पांचवें दिन मानव श्रृंखला बनाकर दिया ज्ञापन

कल संविधान दिवस मनाया जाएगा।

कैलारस। आवास के लिए जनता का सत्याग्रह नगर परिषद कार्यालय पर पांचवे दिन भी जारी रहा। मानव श्रृंखला बनाकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में पट्टे देने, आवास देने, स्वीकृत आवास हितग्राहियों के खातों में राशि डालने, किराएदारों के लिए अच्छी जगह पर जमीन आवंटित कर आवास बनाकर देने, जिनके आवास के लिए आवेदन पेश नहीं हो सके हैं। उन्हें आवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय देने की मांग की गई है।

इस दौरान हुई सभा को सिंचाई अध्यक्ष रामलखन सिंह धाकड़, दलित शोषण मुक्ति मंच के तहसील संयोजक भीकम प्रसाद जाटव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आवास जनता का अधिकार है। सरकार के द्वारा बार-बार घोषणा की जा रही है लेकिन कैलारस में पात्र हितग्राहियों को आवास नहीं मिल पा रहे हैं। बल्कि जनता के लिए जो आवाज उठाने की कोशिश है, उसको भी दबाने लोगों को भ्रमित करने के कुत्सित प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि जनता इसका मुकाबला करेगी। हम आवास स्वीकृत कराकर पट्टे लेकर ही हटेंगे। इस आंदोलन का नेतृत्व माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य महेश प्रजापति, नगर सचिव व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, एसएफआई के प्रांतीय सचिव राजवीर सिंह धाकड़, रामबाबू शाक्य, बाबूलाल शाक्य, नरेश जाटव, मुरारी लाल, आदि ने किया। नेता गणों ने कहा है कि कल संविधान दिवस के मौके पर तिरंगा झंडा लेकर संविधान की शपथ ली जाएगी और संविधान दिवस मनाया जाएगा। संविधान प्रदत्त अधिकारों के लिए संघर्ष को कामयाब बनाने का संकल्प भी दोहराया जाएगा।

कलश यात्रा निकालकर किया श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

मुरैना। शहर में भागवत कथा आरंभ से पूर्व श्रद्धालुओं ने बडी धूम धाम से कलश यात्रा निकाली, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। जानकारी के अनुसार मुरैना नगर निगम के अंतर्गत आने वाली यादव कॉलोनी में रहने वाले रामजी लाल एडवोकेट अपने यहां भागवत कथा का आयोजन करा रहे हैं। जिसमें कथा आरंभ होने से पूर्व गुरुवार को जीवाजीगंज स्थित रामजानकी मंदिर से श्रद्धालुओं द्वारा बैंड बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिला, पुरुष और युवतियां शामिल हुई। यात्रा में महिलाएं व युवतियां अपने सिर पर कलश रखकर आगे-आगे चल रही थी। वहीं पीछे बग्गी में बैठे कथा वाचक हरिओम शास्त्री चंदपुरा वाले विराजमान थे। बैंड बाजे के साथ बडी धूम-धाम से कलश यात्रा रामजानकी मंदिर से वेयर हाउस रोड, माधौपुरा रोड से होते हुए प्रमुख मार्गों से होकर कथा स्थल पर पहुंची, जहां पर कलश की स्थापना की गई।

टीकाकरण में रूचि नहीं लेने पर 12 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस

मुरैना। प्रदेश सरकार कोविड-19 टीकाकरण में विशेष जोर दे रही है। सरकार की मंशा है कि दिसम्बर माह में कोविड वैक्सीन का दूसरा डोज शत-प्रतिशत लगे। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एडी शर्मा ने विभिन्न सेन्टरों पर गत दिवस औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 4 डॉक्टर्स, एक एचएलबी, एक स्टो नर्स और 6 एएनएम के द्वारा टीकाकरण कार्य में कोई रूचि नहीं ली जा रही थी। इस पर डॉ. शर्मा ने आयुष चिकित्सक देवगढ़ डॉ. प्रतिपाल सिंह, चिकित्सा अधिकारी सुमावली डॉ. सोनू शर्मा, चिकित्सा अधिकारी गलेथा डॉ. श्लोक जरारिया और चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डॉ. शर्मा ने एएनएम श्रीमती संतोषी शाक्य, श्रीमती शशी शर्मा, श्रीमती राजबाला शर्मा, श्रीमती अजीत कौर, श्रीमती मीना गोयल और श्रीमती कुशुम सिसोदिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनके अलावा एलएचबी पहाडगढ़ श्रीमती सरशील गौड़, स्टाफनर्स जिला चिकित्सालय में अनुपमा पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

संविधान दिवस आज

मुरैना। भारत सरकार संसदीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आज 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जायेगा। माननीय राष्ट्रपति संसद भवन में प्रातः 11 बजे संविधान दिवस के कार्यक्रम में नेतृत्व करेगें। इस कार्यक्रम का दूरदर्शन, संसद टीवी एवं अन्य चैनलों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

अजाक्स छात्र संघ जिला मुरैना ने किया प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

मुरैना। अजाक्स छात्र संघ जिला मुरैना शहर में प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया । जिसमें मुरैना शहर के छात्र और छात्राओं ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर एग्जाम को सफल बनाया। अजाक्स छात्र संघ द्वारा इस परीक्षा का आयोजन किए जाने का उद्देश्य यह था कि जिससे बच्चो के अंदर पढ़ाई के प्रति जागरूकता उत्पन्न हो। साथ ही इस तरह की परीक्षा से बच्चों के अंदर उत्साह और जागृति उत्पन्न हो और सभी बच्चे बोर्ड एग्जाम में अच्छा स्कोर ले कर पास हों। परीक्षा का आयोजन चम्बल अकादमी छोटेलाल के यहाँ किया गया। इस मौके पर उपस्थित दिनेश सिंह डंडोतिया जिला अध्यक्ष छात्र संघ जिला मुरैना, अनिल खरे जिला सचिव छात्र संघ जिला मुरैना, संचालक एनटीएस इंस्टीट्यूट और आशीष नागोरिया जिला उपाध्यक्ष छात्र संघ, राहुल खरे शहर अध्यक्ष, धीरसिंह खरे संचालक एनटीएस इंस्टीट्यूट, वाय एस पचौरी संचालक केमिस्ट्री क्लासेस, राकेश अटल संचालक अटल इंग्लिश एकेडमी, दीपक संचालक आइडियल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन क्लासेस मुरैना, मोनू राजोरिया संचालक मैथ्स अकादमी, शेलेंद्र खरे जिला महासचिव, सूरज संचालक द रियल इंग्लिश स्क्वायर का सराहनीय सहयोग रहा।

गुजरात के उद्योगपति ने मुरैना में चिकित्सालय के लिए दान दिए 27 लाख

प्रस्तावित चिकित्सालय के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

मुरैना। जैन समाज के द्वारा जीवाजी गंज अग्रसेन पार्क में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान सूरत से शामिल होने आए उद्योगपति ने मुरैना फाटक बाहर जैन बगीची में बनने वाले नेत्र चिकित्सालय के लिए अपनी ओर से 27 लाख रुपए दान देने की घोषणा की और आधे घंटे के अंदर 83 लाख रुपए एकत्रित हो गए, जबकि पंचकल्याणक महोत्सव में अभी 3 दिन शेष है और आयोजकों को अनुमान है कि चिकित्सालय के लिए इन 3 दिनों में पूरा बजट एकत्रित हो जाएगा। गुरुवार को फाटक बाहर स्थित जैन बगीची में प्रस्तावित चिकित्सालय के निर्माण कार्य शिलान्यास के मौके पर मुख्य अतिथि जगदीश जगदीश जैन भैया जी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम कमिश्नर संजीव जैन द्वारा की गई। इस अवसर पर इंडियन वुमन के चेयरमैन साउथ गुजरात टैक्सटाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति सुनील जैन द्वारा आचार्य सुमति ज्ञान चिकित्सालय भवन हेतु 27 लाख रुपए दान देने की घोषणा की। थोड़ी देर में जगह-जगह से आए जैन बंधुओं ने चिकित्सालय के लिए खुले मन से दान देने की घोषणा की और आधा घंटे के भीतर 83 लाखों रुपए भवन निर्माण के लिए एकत्रित हो गए। सूरत के उद्योगपति सुनील जैन द्वारा दिए गए दान पर सभी समाज बंधुओं ने ईश्वर से उनके उज्जवल भविष्य और दीर्घायु होने की कामना की।

सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक ने सीसी खरंजा निर्माण की राशि का किया बंदरबांट

ग्राम पंचायत भर्रा में मनरेगा के अंतर्गत हुए निर्माण कार्य हो गए धराशाई

कैलारस। जनपद पंचायत पहाड़गढ़ की ग्राम पंचायत भर्रा में हुए निर्माण कार्य धरातल पर नहीं है। अगर कुछ बने भी है तो वह भी धराशाई हो चुके हैं। विदित हो कि कि ग्राम पंचायत भर्रा सरपंच सचिव द्वारा करोड़ों रुपए की राशि का दुरुपयोग किया गया है। मौके पर देखा जाए तो निर्माण कार्य हुए तालाब में बर्तमान में सरसों की फसल जा रही है। इसके अलावा मनरेगा के तहत होने वाले निर्माण कार्य तालाब निर्माण, चेक डेम, स्टॉप डेम व सडक आदि का धरातल पर कोई नामोनिशान नहीं है। वहीं ग्राम पंचायत में तालाब फूट पड़े हैं, चेक डेम ध्वस्त पड़े हैं, सड़कें बनी नहीं फिर भी राशि निकाल ली गई है। ग्राम पंचायत में किए गए निर्माण कार्य के नाम पर किए दुरुपयोग की ग्रामीण रोहिताश सिकरवार ने शिकायत करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत भर्रा के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक सब इंजीनियर की मिली भगत से रोड निर्माण का पैसा निकाल लिया गया है। ग्राम पंचायत भर्रा में स्कूल से इंद्रपाल के घर तक सीसी रोड खरंजा का निर्माण स्वीकृत वर्ष 2015-16 में स्वीकृत हुआ। जिसका पैसा सरपंच सचिव सहायक सचिव एवं सब इंजीनियर की मिली भगत से हड़पा गया है। जब कि मौके पर निर्माण कार्य नहीं कराया गया है और प्रशासनिक सांठगांठ से सीसी रोड का पैसा हड़प लिया गया है। आवेदक कर्ता ने बताया कि उक्त मामले की समुचित जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए एवं फर्जी तरीके से राशि निकाली गई है उसे वसूला जाए।

जन-जन तक पहुंचे अमर शहीद क्रांतिकारी टंट्या मामा की देश भक्ति का भावः मंत्री डॉ मिश्रा

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
9826576206

गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने की 3 एवं 4 दिसंबर को इंदौर में आयोजित किए जा रहे टंट्या मामा स्मृति कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा इंदौर में श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा जननायक टंट्या मामा बलिदान दिवस

इंदौर। देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीद क्रांतिकारी टंट्या मामा के अमूल्य बलिदान एवं देश भक्ति का भाव जन-जन तक पहुंचाने के लिए कलश यात्रा एवं टंट्या मामा स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। हमारे प्रयास होने चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस आयोजन में अपनी सहभागिता निभाएं और जननायक टंट्या मामा के विचारों को अपने अंदर समाहित करें।÷ गृह मंत्री एवं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज इन दिशा-निर्देशों के साथ इंदौर के पातालपानी में 4 दिसंबर 2021 को होने वाले टंट्या मामा स्मृति कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सांसद शंकर लालवानी,संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा,आईजी हरिनारायण चारी मिश्रा, कलेक्टर मनीष सिंह, डीआईजी मनीष कपूरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री डॉ मिश्रा ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बलिदान दिवस के पर्व पर आयोजित किए जा रहे हैं इस भव्य कार्यक्रम में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगामी सप्ताह में नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएं। उन्होंने संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा को निर्देश दिए कि जननायक टंट्या मामा को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे लोगों के खानपान, विश्राम एवं अन्य सभी मूलभूत

व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने आईजी हरिनारायण चारी मिश्रा को निर्देश दिए कि रथयात्रा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था का पूर्ण ध्यान रखा जाए एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त दल नियुक्त किया जाए। मंत्री डॉ मिश्रा ने कलेक्टर मनीष सिंह को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर बस एवं अन्य माध्यम से आ रहे लोगों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मंत्री डॉ मिश्रा ने अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए टंट्या मामा स्मृति कार्यक्रम को पूरी गरिमा के साथ संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

टंट्या मामा बलिदान दिवस पर आयोजित किए जा रहे हैं स्मृति कार्यक्रम की तैयारियों से मंत्री डॉ. मिश्रा को अवगत कराते हुए सांसद श्री लालवानी ने बताया कि 1 दिसंबर से इंदौर शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रारंभ कर दिया जाएगा। 3 दिसंबर को इंदौर पहुंच रही कलश यात्रा के मार्ग पर इंदौर स्वागत के लिए तैयार रहेगा तथा शहर के लोग उसमें शामिल होकर टंट्या मामा को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि जिले में निवास कर रहे वनवासी जन एवं छात्र-छात्राओं तथा युवाओं को कार्यक्रम स्थल तक ले जाने के लिए सभी व्यवस्था की जा चुकी हैं।

संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा ने बताया कि कलश यात्रा एवं इंदौर में टंट्या मामा बलिदान दिवस पर आयोजित किए जा रहे हैं स्मृति कार्यक्रम में जननायक टंट्या मामा के वंशज भी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान लोगों के रूकने एवं भोजन की व्यवस्था के साथ-साथ डॉक्टर की टीम भी साथ में रहेगी। उन्होंने बताया कि जननायक टंट्या मामा की जन्म स्थली बड़ोद अहीर से 27 नवंबर को कलश यात्रा निकाली जाएगी, जबकि सैलाना से 29 नवंबर को यात्रा शुरू होगी। दोनों यात्राएं इंदौर और उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों से होते हुए धार में 3 दिसंबर को आकर मिलेगी। जिसके बाद दोनों यात्राएं 4 दिसंबर को पातालपानी आएगी। संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने बताया कि यात्रा की तैयारियों को लेकर उन्होंने संबंधित जिलों के कलेक्टरों से चर्चा की है और विभिन्न संगठनों से समन्वय कर रथ यात्रा हेतु आवंश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है।

वन-टू-वन

नगर के राजराजेश्वरी माता मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

,,पुष्पांजलि न्यूज़ टुडे विवेक सेन पत्रकार,,,,,,

इंदरगढ़ नगर के मणिपुरा मोहल्ला स्थित राज्य राजेश जी मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक पंडित राजेश्वर महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की वर्णन विस्तार से समझाया कथा पारीछत विमला साहू रामस्वरूप साहू ने आरती उतार कर प्रसाद वितरण किया समिति के सदस्य बच्चो कुशवाह बनवाली बनवाली साहू दामोदर कुशवाह चरण सिंह चरणदास किलारी आदि उपस्थित रहे

उपराय में पूर्व मुख्यमंत्री जी की जनजागरण अभियान में प्रभात फेरी तंदरात पदयात्रा प्रारम्भ

पुष्पांजलि न्यूज़ टुडे विवेक सेन पत्रकार,,,,,,

दतिया -आज पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी की जनजागरण अभियान के अंतर्गत प्रभात फेरी एवं जनजागरण पदयात्रा दिनांक 24-11-21को सुवह 07 वजे उपराय में निकाली गई प्रभात फेरी का कई जगह श्री फल से स्वागत किया गया पूर्व *मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह रामधुन राघवपति राघव राजाराम- पतित पावन सीताराम गाते हुए गए उनके साथ सभी कांग्रेस परिवार के सदस्य रामधुन ?मे साथ दे रहे हैं*पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बीजेपी के विरोध में नारा लगाया कि मोदी तेरे राज्य में कटोरा गया हाथ में उनके साथ सेवड़ा विधायक घनश्याम सिंह, विधायक बैजनाथ कुशवाह कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक दांगी बगदा,विधायक प्रयागी लाल जाटव करैरा,बेटीराजा मांडवी राजे,पूर्व विधायक फूल सिंह बरैया पूर्व राजेंद्र भारती,पंजाब सिंह यादव प्रदेश महामंत्री धीरेंद्र सिंह राठौर कांग्रेस के आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिधुत उपभोक्ता ले समाधान योजना का लाभ... डीई हितेश बिशिष्ठ

केशब पंडित जी अम्बाह...??

अम्बाह पोरसा... नगर अम्बाह पोरसा ग्रामीणो में विधुत विभाग के अधिकारी डिवीजन ऑफिसर हितेश बिशिष्ट उपकेंद्र विधुत विभाग अम्बाह पोरसा पहुँचे जहाँ पहुँच कर उपभोक्ताओ की समस्या सुनी एवं

मीडिया को जानकारी देते हुए बताया उपभोक्ता समाधान योजना का लाभ ले बकाया बिजली बिल की 100त्न सरचार्ज राशि के साथ 40 फीसदी मूल बकाया राशि माफ की जा रही है समाधान योजना का लाभ 31 अगस्त 2020 तक की बकाया राशि जमा कराने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को 15 दिसम्बर तक बिजली कंपनी में अपना आवेदन जमा करना होगा विधुत बिल समाधान मे दो विकल्प समाधान योजना में दो विकल्प हैं पहले विकल्प के रूप में बकाया मूल राशि का 60 प्रतिशत एकमुश्त भुगतान करने पर 100 प्रतिशत सरचार्ज और शेष 40 प्रतिशत मूल बकाया राशि माफ की जाएगी और दूसरे विकल्प के रूप में मूल राशि का 75 प्रतिशत, 6 समान किश्त में भुगतान करने पर 100 प्रतिशत अधिभार की राशि और शेष 25 प्रतिशत मूल बकाया राशि माफ की जाएगी।

6 दिसम्बर से श्री महाकालेश्वर मन्दिर में पूर्वानुसार गर्भगृह में प्रवेश दिया जायेगा

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति ने लिया निर्णय

उज्जैन । श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति की बैठक आज कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। राज्य शासन द्वारा 17 नवम्बर से कोविड-19 महामारी के समय जारी समस्त प्रतिबंध हटा लिये गये हैं। इस तारतम्य में बैठक में आगामी 6 दिसम्बर से श्रद्धालुओं को गर्भगृह में कोविड महामारी में लगाये गये प्रतिबंधों के पूर्व जिस तरह की प्रवेश व्यवस्था थी, उसी के अनुरूप प्रवेश देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल, नगर निगम आयुक्त अंशुल गुप्ता,एडीएम संतोष टैगोर, समिति प्रशासक गणेश कुमार धाकड़, समिति के सदस्य पं.आशीष पुजारी, दीपक मित्तल, विजयशंकर शर्मा एवं पं.प्रदीप पुजारी मौजूद थे।

बैठक में निम्नानुसार अन्य निर्णय लिये गये ञ्-

ज़ श्री महाकालेश्वर मन्दिर में वर्तमान में अनुमति प्राप्त फोटोग्राफरों की संख्या पर्याप्त होने पर नये फोटोग्राफरों को अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया गया। ज़ श्री महाकाल महाराज मन्दिर विस्तार योजना अन्तर्गत भूमि अधिग्रहण के लिये कुल 150.92 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन राज्य शासन से करने हेतु पत्र भेजा गया है। बैठक में उक्त कार्यवाही का अनुमोदन किया गया।

ज़ श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति के अन्तर्गत सभी कर्मचारियों, शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि के सम्बन्ध में चर्चा की गई तथा निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष वार्षिक वेतन वृद्धि नियत करने का एक समग्र प्रस्ताव बनाकर आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाये।ज़ उज्जैन दर्शन बस सेवा पुनञ् शुरू करने का निर्णय लिया गया। ज़ बैठक में स्टोर शाखा द्वारा प्रस्तुत की गई विभिन्न निविदाओं का अनुमोदन किया गया। ज़ बैठक में निर्णय लिया गया कि महाकाल महाराज मन्दिर परिसर विस्तार का रूद्र सागर का कार्य पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं के लिये त्रिवेणी संग्रहालय से फेसिलिटी सेन्टर तक आने-जाने के लिये ई-कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही एवं निविदा का प्रस्ताव तैयार किया जाये।

गौ सेवा करते समय अपनी सुरक्षा का भी ध्यान दें गौ सेवकः डॉ उपेंद्र यादव

ग्वालियर गाय का उपचार करते समय आपको अपनी सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा कहीं वह आपको उपचार करते समय कोई नुकसान ना पहुंचा दे यह बात लाल टिपारा आदर्श गौशाला मुरार मे आयोजित पशुपालन एवं डेयरी विभाग और श्री कृष्णायन हरिद्वार के संतो के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय गौ सेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम मे डॉक्टर उपेंद्र यादव जी ने कहीं उन्होंने बताया कि गाय का उपचार करते समय उसके हाव भाव पर भी नजर बनाए रखना जरूरी है जिससे वाह कहीं हमें चोटिल ना कर दे उसके लिए हमें अपनी सुरक्षा करना भी जरूरी है डॉ साहब ने कहां की प्रशिक्षण लेने के बाद गो सेवक अपने शहर व गांव मैं गौ सेवा प्राथमिक उपचार कर सकेंगे साथ ही कई युवाओं को उनसे से प्रेरणा भी मिलेगी लाल टिपारा आदर्श गौशाला मुरार में पशुपालन एवं डेयरी विभाग जिला ग्वालियर एवं श्री कृष्णायन हरिद्वार के संतो मार्गदर्शन में पांच दिवसीय गौ सेवक प्रशिक्षण कर्म का आयोजन किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 नवंबर तक आयोजित होगा गुरुवार को डॉक्टर साहब द्वारा सभी गौ सेवकों को प्राथमिक उपचार इंजेक्शन लगाना मलमपट्टी करना आदि करना सिखाया।

राष्ट्रीय एकता शिविर में प्रतिनिधित्व कर लौटे आदित्य दुबे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। 25 नवंबर को शहर के शासकीय एम.जे.एस. महाविद्यालय भिंड के बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 के स्वयंसेवक आदित्य दुबे पुत्र सुधीर दुबे भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय नई दिल्ली राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की ओर से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर किया पुनः नगर आगमन। भिंड आगमन पर बस स्टैंड पर उनका स्वागत रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आर.ए.शर्मा के साथ-साथ वरिष्ठ स्वयंसेवक सौरभ खंडेलवाल, धर्मेंद्र सिंह तोमर, आरती राजावत, अरुचि राजावत, अंशुल हरिऔध, नेहा शर्मा, शिवम गजरोलिया, सीमा महेश्वर के साथ-साथ अन्य स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

कलेक्टर एवं एसपी ने त्रिवेणी शनि मन्दिर एवं घाटों का निरीक्षण किया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

शनिचरी अमावस्या 4 दिसंबर के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

उज्जैन। शनिचरी अमावस्या 4 दिसम्बर को आ रही है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी के नवग्रह मन्दिर पर एकत्रित होंगे एवं स्नान पूजन करेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल ने शनिचरी अमावस्या पर त्रिवेणी शनि मन्दिर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं सम्बन्धित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर ने त्रिवेणी घाट से ही एनवीडीए के अधीक्षण यंत्री से चर्चा कर हरन्याखेड़ी पाइंट से नर्मदा का जल शिप्रा नदी में छोड़ने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने खान नदी पर अर्दन बंड बनाने के लिये जल संसाधन विभाग को कहा है, जिससे खान नदी का अशुद्ध पानी शिप्रा के घाटों पर न मिल पाये। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अंशुल गुप्ता, एडीएम संतोष टैगोर, एएसपी अमरेंद्र सिंह, एसडीएम गोविंद दुबे, श्रीमती कल्याणी पाण्डेय एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं के प्रवेश एवं निर्गम की व्यवस्था के बारे में विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिये सुगम व्यवस्था करने के लिये कहा है। कलेक्टर ने त्रिवेणी घाट एवं मुक्तिधाम के सामने की ओर बने हुए घाटों का निरीक्षण किया एवं घाटों की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश नगर निगम को दिये हैं। साथ ही घाटों पर स्नान के लिये फव्वारे लगाने के लिये भी कहा है। कलेक्टर ने होमगार्ड को आवश्यकता अनुसार लाईफ बोट्स, तैराकों की तैनाती एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्था करने के लिये तथा नगर निगम को त्रिवेणी घाट की सफाई के साथ ही सुअर पकड़वाने, चेंजिंग रूम बनवाने के निर्देश दिये हैं।

म.प्र पंचायत चुनाव की तारीखों को लेकर आए बड़ी अपडेट, मंत्री का बड़ा बयान... अब देर ठीक नहीं

स्क्क वही माना जा रहा है कि 6 दिसंबर के बाद प्रदेश में पंचायत चुनाव की तारीखों के ऐलान किया जा सकता है...

??केशब पंडित जी चम्बल...??

चम्बल... मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव का बिगुल जल्द ही बजने वाला है। शिवराज सरकार ने इसकी फाइनल तैयारी करते हुए केबिनेट में प्रस्तुत किये जाने वाला ड्राफ्ट (ष्ठह्म्ड्डद्वह्ल) भी बना लिया है। यह जानकारी पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री गोपाल भार्गव ने आज जबलपुर में दी।पत्रकारों से चर्चा में गोपाल भार्गव ने कहा कि कोरोना के कारण पूर्व में पंचायत चुनाव स्थगित किये गए थे लेकिन अब इसमें और देरी नहीं की जाएगी। वही माना जा रहा है कि 6 दिसंबर के बाद प्रदेश में पंचायत चुनाव की तारीखों के ऐलान किया जा सकता है।

लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि साल 2014 के परिसीमन के आधार पर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे।यहां आपको बता दें कि कमलनाथ सरकार द्वारा नए सिरे से कराए गए परिसीमन को शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि प्रदेश के 52 जिलों में 23912 ग्राम पंचायत, 313 जनपद पंचायत अध्यक्ष और 52 जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराए जाने है दरअसल जारी नवीन अध्यादेश के संबंध में चर्चा की। अध्यादेश के अनुसार पूर्ववर्ती परिसीमन निरस्त हो जाने से ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत क्षेत्र का निर्वाचन उस परिसीमन एवं विभाजन के आधार पर किया जाना है, जो उनकी संबंधित अवधि की समाप्ति के ठीक पहले विद्यमान थे। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत क्षेत्र के प्रवर्ग उन्हीं प्रवर्गों के लिये आरक्षित बने रहेंगे, जैसे कि वे उनकी संबंधित अवधि की समाप्ति पर थे। अध्यादेश ऐसी ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत क्षेत्र पर नहीं होगा, जो संबंधित पंचायतों के अंतिम निर्वाचन के बाद किसी नगरीय क्षेत्र में शामिल हो गये हैं।

वहीं मध्य प्रदेश में पुलिस कमिश्नर प्रणाली को लेकर गोपाल भार्गव ने कहा कि पिछले 20 सालों से इसे लेकर किंतु-परंतु चल रहा है।अब जब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दृढ़ निश्चय कर लिया है और इसे अगले साल की शरुआत में लागू कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर प्रणाली के बहुत फायदे है। अभी फिलहाल भोपाल और इंदौर में इसे लागू करने की तैयारी है।दो जिलों के परिणामों के बाद मध्य प्रदेश के दूसरे जिलों में भी इसे लागू करने का विचार हैं।

सबका साथ सबका विकास कहने वाली भाजपा सरकार ने घोटा आमजन का गला: सुधांशु त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

भाजपा सरकार में बढ़ा भ्रष्टाचार प्रतिदिन गिर रही अर्थव्यवस्था-कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव

भिण्ड। केंद्र सरकार की नीतियों और महंगाई के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा के नेतृत्व में 25 नवंबर गुरुवार को जन-जागरण यात्रा निकाली गई।यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश के सह प्रभारी सुधांशु त्रिपाठी मौजूद रहे।यह यात्रा आजी माता मंदिर परिसर से अड़ोखर होते हुए कमनपुरा,मदनपुरा, गोकुलपुरा, रोहरा मोड़ होते हुए अमायन तक गई। इस दौरान लोगो का जन जागरण यात्रा में खूब समर्थन मिला जगह-जगह आए हुए अतिथियों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। जन जागरण यात्रा में कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार मुर्दाबाद,प्रधानमंत्री इस्तीफा दो आदि नारे लगाए।लोगो को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि मोदी सरकार महंगाई रोकने में विफल है,वह सिर्फ सरकारी संपत्तियों को बेचने में व्यस्त है।वही श्री त्रिपाठी ने कहा कि नोटबंदी के बाद जीएसटी लागू किया गया। इसके बाद से लगातार किसी न किसी वजह से महंगाई में वृद्धि हो रही है। पिछले दो साल से कोरोना संक्रमण की वजह से सभी व्यापार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।ऐसी विषम परिस्थिति में भी सरकार की अनुचित नीतियों की वजह से पेट्रोल,डीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इससे आम जनता पर अतिरिक्त भार बढ़ गया है। इतना ही नहीं सरकार का खाद्य तेल के दाम पर भी कोई नियंत्रण नहीं है। हालत यह है कि आम व्यक्ति का जीवन यापन करना बहुत मुश्किल हो गया है।किसान कतार बद्ध होकर खाद के लिए भटक रहे हैं।इस प्रकार की स्थिति अन्नदाता के लिए कभी भी उत्पन्न नहीं हुई है। सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि तीन काले कानून लागू करने का विरोध करने वाले करीब 750 किसानों की मौत हो गई तब कहीं जाकर उत्तर प्रदेश के चुनाव देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन काले कानूनों को वापस लेने का निर्णय लिया। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है सैकड़ों किसानों की मौत होने के बाद भाजपा सरकार को किसानों की आवाज सुनाई दी है।

भाजपा सरकार में विकास की जगह बढ़ी गरीबी और भुखमरी-मानसिंह: जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने कहा कि मोदी सरकार बढ़ती महंगाई के प्रति पूरी तरह से बेपरवाह है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण बढ़ती गरीबी,भुखमरी से लोगों की अजीविका संकट में है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी के चलते रोजमर्रा की जरुरत के सामानों दाल, तेल, तिलहन, फलों व सब्जियों के दामों की आसमान छूती कीमतों से जीवन बेहाल है।कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, और गरीब विरोधी परिचलन के खिलाफ जन जागरण पोल खोल यात्रा के द्वारा इनकी नाकामियों को जनता तक पहुंचाएगी।

केंद्र सरकार की विफलताओं का खामियाजा भुगत रही है आम जनता-हेमंत कटारे: इतना ही नहीं केंद्र सरकार की विफलता का खामियाजा गरीब जनता भुगत रही है।वही पूर्व विधायक हेमंत कटारे ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से किसान और ग्रामीणों को जीवनयापन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।बाढ़ आपदा के समय में भाजपा के मंत्री विधायक किसानों का दर्द बांटने तक नहीं आए।किसानों की मदद करने की बजाय भाजपा के मंत्री ने उन्हें फटकार लगाने का काम किया।

भाजपा ने की अमायन की जनता के साथ दोहरी राजनीति-राहुल भदौरिया: युवा नेता राहुल सिंह भदौरिया ने अमायन क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि किस प्रकार क्षेत्र के लोगों को खाद की एक-एक बोरी के लिए सुबह 4:00 बजे से लाइन में लगकर इंतजार करने के बावजूद भी रात को खाली हाथ पुलिस की लाठी डंडे खाने के बाद लौटना पड़ा। जबकि भाजपा नेताओं के गुर्गों ने अपने चहेतों को दस दस खाद की बोरीया दिलवाई।वही कोरोना काल में अन्य राज्यों से नौकरी छोड़कर गृह गांव में रह रहे युवाओं को मनरेगा के तहत रोजगार तक नहीं मिल पा रहा है। ठेकेदारों के द्वारा मशीनों से काम कराया जा रहा है इसका दंश बेरोजगार युवा झेल रहे हैं।इस जन जागरण यात्रा को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से जन जागरण यात्रा के अमायन के प्रभारी वीरेंद्र यादव,सह प्रभारी रेखा भदोरिया ,सुरेश सिंह सिकरवार,दारा सिंह गुर्जर,सेवादल अध्यक्ष संदीप मिश्रा,रणजीत सिंह गुर्जर,अमित पिंकी दातरे ,कप्तान सिंह सिकरवार,बृजेंद्र सिंह कल्लू,हरनारायण शर्मा,राजीव कौशिक,डॉ रणवीर यादव,सुभाष राठोर,दीपेंद्र फौजी,बलराम फौजी भारौली,समीर भदोरिया,रॉकी तोमर मौजूद रहे।कार्यक्रम का आभार व्यक्त ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह चौहान ने किया।

वन-टू-वन

समाधान योजना का लाभ ले उपभोक्ता-मेहता

विधुत बिल समाधान के लिए उपकेंद्र दबोह में लगाया जायेगा कैम्प

दबोह(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे)

नगर दबोह में विधुत विभाग के अधिकारी डिवीजन ऑफिसर हरीश मेहता ने उपकेंद्र विधुत विभाग दबोह पर पहुँच उपभोक्ताओ की समस्या सुनी एवं मीडिया को जानकारी देते हुए बताया समाधान योजना का लाभ ले उपभोक्ता,बकाया बिजली बिल (श्वद्यद्गष्ह्लह्ड्डष्द्बह्ल4 ब्द्बद्यद्य) की 100त्न सरचार्ज (स्ह्वह्म्ष्द्धड्डह्म्द्दद्ग) राशि के साथ 40 फीसदी मूल बकाया राशि माफ की जा रही है।समाधान योजना का लाभ 31 अगस्त 2020 तक की बकाया राशि जमा कराने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को 15 दिसम्बर तक बिजली कंपनी में अपना आवेदन जमा करना होगा विधुत बिल समाधान मे दो विकल्प समाधान योजना में दो विकल्प हैं पहले विकल्प के रूप में बकाया मूल राशि का 60 प्रतिशत एकमुश्त भुगतान करने पर 100 प्रतिशत सरचार्ज और शेष 40 प्रतिशत मूल बकाया राशि माफ की जाएगी और दूसरे विकल्प के रूप में मूल राशि का 75 प्रतिशत,6 समान किश्त में भुगतान करने पर 100 प्रतिशत अधिभार की राशि और शेष 25 प्रतिशत मूल बकाया राशि माफ की जाएगी।इस दौरान दबोह सुपरवाइजर अशोक डावर के साथ समस्त विधुत विभाग स्टाफ मौजूद रहा।

दबंगो ने घर मैं घुस कर किया कुशवाह समाज के लोगो को मरणासन्न

शिवपुरी
ब्यूरो अनिल कुशवाह

यह की दिनांक 17/11/2021 को श्याम करीबन 6 से 7 के बीच राम सिंह दांगी हाथ में अपनी 12 बोर की बंदूक लेकर, नारायण सिंह उर्फ लल्लू हाथ में लाठी लेकर, घनश्याम अपने साथ कुल्हाडी लेकर ,तेजपाल दांगी अपने हाथ में फरसा लेकर अरविंद और मनीष अपने हाथ मैं सरिया लेकर घुमन दांगी छुटुआ, रब्बा दांगी अपने हाथ मैं लाठी लेकर सभी मां बहन की गाली बकते हुए कुत्ता सूअर जैसे अपशब्द कहते हुए प्रार्थी गण के घर के दरवाजे में लात मारकर जबरदस्ती घर में घुस गए और सामान तोड़ने लगे राम सिंह दांगी के बंदूक के बट से अपने साथियों के साथ मिलकर ब्रजमोहन की मारपीट कर दी जिससे ब्रजमोहन के सर पर बाई तरफ से खून निकलने लगा तथा बाएं हाथ की तर्जनी उंगली के ऊपर छिल गया तथा बाएं हाथ की कोनी के पास मुदी चोट आई है जब ब्रजमोहन को बचाने लक्ष्मीबाई , हरिओम, भूरिया , दीप्ति उर्फ देवकी जुगराज ,धीरज आये तो राम सिंह दांगी ,नारायण दांगी तेजपाल दांगी, मनीष ,रब्बा दांगी सरिया पर कुल्हाड़ी और रामसिंह दांगी अपनी 12 बोर की बंदूक से मिलकर एक साथ लक्ष्मी बाई बाई हरिओम, भूरिया बाई ,दीप्ति देवकी, जुगराज, धीरज को जमीन पर पटक कर बेरहमी से मारपीट की जिससे उनके शरीर को काफी चोटें आई हैं जिससे खून भी निकलने लगा। स्नद्बक्र मैं लगी धाराओ से संतुष्ट न होने के बाद पीड़ित परिवार ने आज स्क्रशद्बद्बष्ट्र मैं ज्ञापन देकर ठोस कार्यवाही करने के मांग की ओर ठोस कार्यवाही न होने पर कुशवाह समाज के द्वारा एक उग्र आंदोलन करने ओर धरना देने की बात अखिल भारतीय कुशवाह महासभा के अध्यक्ष अबदेश कुशवाह ने कही

एडिशनल एसपी प्रवीण सिंह भूरिया की बाइट ली गई उसमें उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आ गया है और बहुत जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और कोलारस एसडीओपी को तुरंत कार्रवाई करने के लिए यहां से कॉल किया जाएगा

सेल्समैन द्वारा दिया जा रहा है ग्रामीणों को समय पर राशन

राकेश परिहार पीटीवी न्यूज़ पिछोर ,9691338626

पिछोर, अनु विभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत वनोटा में सेल्समैन बलबीर बंशकार द्वारा हरिजन आदिवासी लोगों के लिए समय पर खाद्यान्न राशन दिया जा रहा है ग्रामीणों द्वारा बताया गया है की सेल्समैन बलवीर बंशकार समय-समय पर हम सभी लोगों को समय-समय पर राशन देते हैं और जो भी व्यक्ति राशन लेने से चूक जाते हैं उनके लिए घर जाकर खाद्यान्न राशन मोहिया कराया जाता है सेल्समैन बलबीर बंशकार वनोटा शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर कार्यरत हैं जिनके द्वारा गरीब असहाय लोगों की मदद हमेशा करते रहते हैं एवं गली मोहल्ले बस्ती में सेल्समैन द्वारा भ्रमण किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति राशन लेने से तो बाकी नहीं रहा जो व्यक्ति राशन लेने से चूक जाते हैं उन्हें जानकारी देकर खाद्यान्न राशन दिया जाता है एक ईमानदार सेल्समैन बलवीर बंशकार द्वारा ग्रामीण लोगों के लिए सही समय पर खाद्यान्न मुहैया किया जाता है जिसके चलते ग्रामीण लोगों में खुशी अलग देखने को मिलती है

लापरवाही बरतने पर डाईट भिण्ड के सहायक शिक्षक एवं सहायक ग्रेड-2 निलंबित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कार्य में लापरवाही बरतने पर डाईट के सहायक शिक्षक (कनिष्ठ व्याख्याता) दिनेश सिंह भदौरिया एवं सहायक ग्रेड-2 देवेन्द्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड रौन नियत किया है।

कलेक्टर ने आदेश में बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल द्वारा वर्ष 2021 की आयोजित डी.एल.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के परीक्षा के छात्राध्यापाकों के आंतरिक परीक्षा के मूल्यांकन के अंक ऑनलाइन प्रविष्टि कर 16 अगस्त 2021 से 26 अगस्त 2021 तक मण्डल को प्रेषित किये जाने थे जो दिनेश सिंह भदौरिया, सहा0शि0 (कनिष्ट व्याख्याता) एवं सहायक ग्रेड-दो देवेन्द्र शर्मा डाइट भिण्ड द्वारा प्रेषित नहीं किये गये, उक्त कार्य हेतु निर्देश के बावजूद भी पुनः आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक नहीं भेजे गये साथ ही आपके द्वारा आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन के अंक भेजने की 25 सितम्बर 2021 अंकित की गई जो गलत एवं भ्रामक होने के साथ त्रुटिपूर्ण थी। आपके द्वारा नियत समय-सीमा में ऑनलाइन अंकों की प्रविष्टि नहीं गई एवं सॉफ्ट एवं हार्डकॉपी मण्डल की ओर प्रेषित नहीं की गई जो आपकी गम्भीर लापरवाही को परिलक्षित करता है जिसके कारण संस्था डाइट भिण्ड में अध्ययरनरत 153 छात्राध्यापकों का परीक्षा परिणाम मण्डल द्वारा अनुत्तीर्ण घोषित किया गया, आपने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जिससे छात्राध्यापकों को मानसिक पीड़ा एवं समाज में छवि धूमिल हुई।

जिला शिक्षा अधिकारी जिला भिण्ड द्वारा आपको कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये। आपका उक्त कृत्य शासनादेशों की अवहेलना एवं पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है। आपका उक्त कृत्य प्रथम दृष्ट्या दोष सिद्ध करता है। अतएव दिनेश सिंह भदौरिया, सहा0शि0(कनिष्ट व्याख्याता) एवं सहायक ग्रेड-दो देवेन्द्र शर्मा डाइट भिण्ड को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-1966 के नियम 9(1) बी के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में संबंधित का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड रौन रहेगा एवं निलंबन काल में नियमानुसार मूलभूत नियत-53 (क) अंतर्गत जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

मध्य प्रदेश पुलिस को मिली बड़ी खुशखबरी, सरकार ने 300% तक बढ़ाई पॉकेट मनी, आदेश जारी...

म.प्र.पुलिस इसके अलावा पुलिस चौकी का खर्च 800 रूपए से बढ़ाकर 2400 रूपए किया गया है...

केशब पंडित जी अम्बाह

भोपाल... मध्य प्रदेश के पुलिस कर्मियों को बड़ी राहत दी गई है। दरअसल थाने और पुलिस चौकियों में होने वाले खर्चे को बढ़ाने का काम किया गया है। पुलिस से की पॉकेट मनी को बढ़ाकर 300त्न गुना कर दिया गया है। इस मामले में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के मुताबिक पुलिस थाने और पुलिस चौकी में कार्यालय खर्च के लिए आवंटित की जाने वाली राशि को बढ़ाया गया है। हालांकि शहरी और ग्रामीण इलाके में अलग-अलग बढ़ोतरी नियम तय किए गए हैं विभाग के आदेश के मुताबिक शहरी थानों का खर्चा 2000 रूपए तक बढ़ाकर 6000 रूपए किया गया है जबकि ग्रामीण थानों का खर्चा 1400 रूपए से बढ़ाकर 4000 रूपए किया गया है। इसके अलावा पुलिस चौकी का खर्च 800 रूपए से बढ़ाकर 2400 रूपए किया गया है। बता दें कि पुलिस डिपार्टमेंट की तरफ से लंबे समय से यह मांग की जा रही थी जिस को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो कि पुलिस और थानों के कार्यालय खर्च की राशि बेहद कम थी। जिसको लेकर कई बार पुलिस मुख्यालय द्वारा गृह विभाग को पत्राचार कर मांग की गई थी। हालांकि ष्टश्ह्म्श्ठ्ठ की वजह से इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था लेकिन ष्टश्ह्म्श्ठ्ठ के समय केसों में कमी देखने के बाद अब पुलिस कार्यालय के खर्चे को बढ़ाया गया है। इस मामले में गृह विभाग ने वित्त विभाग की अनुशंसा के अनुसार राशि को बढ़ाने के संबंध में आदेश भी जारी कर दिए हैं। नवीन आदेश के मुताबिक स्स्न प्लाटून का खर्च ?800 से बढ़ाकर ?2400 तक किया गया है। ज्ञात हो कि इस राशि को थाने व चौकी के ऑफिशियल खर्चे में शामिल किया जाएगा इसके तहत थाने और चौकी के इस्तेमाल होने वाले अन्य मदों में इसका उपयोग किया जाएगा।

खबर शिबपुरी के हाथी खाना ठाकुर बाबा मंदिर से आ रही है जहाँ पर 20 नवम्बर से भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है भागवत मैं 27 नवम्बर को भंडारे का आयोजन किया जाएगा कथा वाचक नंदनी भार्गव के श्री मुख से श्रीमद भागवत का वाचन किया जा रहा है मुख्य आयोजन कर्ता मैं मनी महाराज उर्फ मनी भाई द्वारा किया जा रहा है मनी महाराज द्वारा साल भर तक शहर के लोगो से 5 रुपये 10 रुपये लिए जाते है उन रुपयों रोज को ठाकर बाबा समिति की पेटी मैं एकत्रित करके साल भर में एकत्रित रुपयों से भगवात कथा का आयोजन किया जाता है कथा की व्यवस्था देख रहे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जगमोहन सिंह सेंगर से खास बातचीत करते हुए

ब्यूरो अनिल कुशवाह
जिला शिवपुरी

गरीब परिवारों को कोरोना के दुष्प्रभावों से उबरने में मदद देगा मोदी सरकार का निर्णय: नाथू सिंह गुर्जर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। समाज के अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति, प्रत्येक समाज और वर्गों के गरीब परिवार मोदी सरकार की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रहे हैं । कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार ने देश के 80 करोड़ लोगों को

मुफ्त राशन देने का दुनिया का सबसे बड़ा और अनूठा अभियान चलाया था। अब केंद्र सरकार ने इस योजना की अवधि मार्च 2022 तक बढ़ा दी है जिससे गरीब परिवारों को कोरोना के कारण पैदा हुई समस्याओं से उबरने में मदद मिलेगी। इस निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त् करता हूं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि बढ़ाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कही। जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान देश के गरीब परिवारों, छोटे कारोबारियों मजदूरों की समस्याओं को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की थी जिसने अत्यंत कठिन समय में इन परिवारों की सहायता की । केंद्र सरकार की इस योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड़ गरीबों को नवंबर माह तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराया था लेकिन इन परिवारों की स्थिति और कोरोना के आघातों को देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना की अवधि को मार्च 2022 तक बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से गरीब परिवारों को मार्च 2022 तक मुफ्त राशन मिलेगा जिससे उन्हें कोरोना के दुष्प्रभावों का पूरी ताकत से मुकाबला करने का हौसला मिलेगा और ये परिवार अपना ध्यान काम-धंधे को जमाने पर केंद्रित कर सकेंगे।

अमृत परियोजना का लाभ आम जनों को शीघ्र मिले, इसके लिए सभी कार्य 31 दिसम्बर तक पूर्ण करें

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद श्री शेजवलकर ने दिए निर्देश

ग्वालियर। शहरवासियों को शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो, इसके लिये अमृत परियोजना के तहत 31 दिसम्बर तक कार्य पूर्ण किए जाएँ। परियोजना के तहत सभी डीएमए का कार्य पूर्ण कर निर्धारित मात्रा और प्रेशर से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने गुरूवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में यह निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ ही शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव, विधायक ग्वालियर दक्षिण श्री प्रवीण पाठक, विधायक ग्वालियर पूर्व डॉ. सतीश सिकरवार, विधायक डबरा श्री सुरेश राजे, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी सहित समिति के सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि शहर के लिये अतिमहत्वपूर्ण अमृत परियोजना के तहत सभी काम 31 दिसम्बर तक पूर्ण किए जाएं, ताकि शहरवासियों को योजना का लाभ मिल सके। परियोजना के तहत पेयजल टंकियों के निर्माण के साथ-साथ सभी डीएमए का कार्य भी 31 दिसम्बर तक पूर्ण किया जाए। साथ ही निर्धारित मात्रा में शुद्ध पेयजल आम जनों को उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा है कि अमृत परियोजना के तहत सीवर एवं पानी की लाईन बिछाने के लिये जो सड़कें खोदी गई हैं उसे शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण गुणवत्ता के साथ ठीक करने का कार्य किया जाए।

क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने नगर निगम आयुक्त से कहा है कि पानी एवं सीवर की लाईन डालने के लिये जो सड़कें खोदी गई हैं उसको ठीक करने के लिये प्राथमिकतावार कार्यक्रम तय किया जाए। तय किया गया कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराया जाए। रेस्टोरेशन का कार्य तीव्र गति से और गुणवत्ता के साथ हो, इसकी भी मॉनीटरिंग की जाए।

बैठक के दौरान अमृत परियोजना के तहत सीवर का जो कार्य मुरार एवं दक्षिण विधानसभा में दो पैकेजों में किया गया है उसकी पूरी जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही किए गए कार्यों का सत्यापन भी निगम दल बनाकर करे।

क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने बैठक में यह भी कहा है कि अमृत परियोजना के प्रथम चरण में पेयजल एवं सीवर के जो कार्य छूट गए हैं, उन्हें अमृत परियोजना के दूसरे फेज में शामिल किया जाए। दूसरे फेज की डीपीआर विशेषज्ञों के माध्यम से तैयार कराई जाए। डीपीआर तैयार कराते समय जनप्रतिनिधियों से भी सुझाव प्राप्त कर चर्चा करें और जो महत्वपूर्ण सुझाव हों उन्हें डीपीआर में शामिल किया जाए।

पेयजल की मुख्य लाईनों से कोई कनेक्शन न रहे

क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने अमृत परियोजना की समीक्षा के दौरान यह भी कहा है कि परियोजना के तहत जो मुख्य पानी की लाईनें हैं उससे कोई कनेक्शन नहीं रहना चाहिए। अगर किसी ने जोड़ रखा है तो उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई भी की जाए। जिन लाईनों के माध्यम से पानी की टंकियां भरी जा रही हैं उसमें कहीं पर भी कोई कनेक्शन नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही फीडर लाइन, लाइजिनिंग मेन और पंपिंग लाइन में किसी प्रकार का कोई कनेक्शन नहीं रहना चाहिए।

मीटर लगाने का कार्य पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में करें

सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि अमृत परियोजना के तहत पानी के मीटर लगाने का कार्य भी किया जाना है। इसके लिये निगम पाँच हजार मकानों पर मीटर लगाने का पायलेट प्रोजेक्ट तैयार करे और उस पर मीटर लगाने की कार्रवाई करें। इसके साथ ही एक्सप्रेस लाइन पर भी मीटर लगाया जाए। फ्लो मीटर भी लगाएँ ताकि वाटर का ऑडिट हो सके। वाटर ऑडिट को सर्वोच्च प्राथमकता दी जाए।

प्रधानमंत्री ग्रामीण एवं शहरी आवास योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने प्रधानमंत्री शहरी तथा ग्रामीण आवास योजना की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ अधिक से अधिक आवासहीनों को मिले, इसके लिये योजना के तहत लक्ष्य अनुरूप कार्य तेजी से किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो मकान बनकर तैयार हो गए हैं उन्हें हितग्राहियों को आवंटित करने की प्रक्रिया भी तेजी से की जाए। योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हो, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ मिल सके।

जल जीवन मिशन के माध्यम से स्थायी समाधान मिले

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा है कि केन्द्र सरकार के जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को पेयजल समस्या का स्थायी समाधान मिलना चाहिए। मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र में हर परिवार को उसके घर पर पानी की टोंटी से पेयजल उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत पेयजल का स्थायी स्त्रोत हो, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि मिशन का लाभ अधिक से अधिक पंचायतों को मिले, इसके लिये जिला पंचायत तीव्रता से कार्य योजनायें तैयार कर उसे पूर्ण करने की दिशा में सार्थक प्रयास करे।

डबरा शुगर मिल की जमीन पर रहने वालों को मिलें पट्टे

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में डबरा शुगर मिल की जमीन पर निवास करने वाले लोगों को पट्टा देने की बात भी सामने आई। सांसद श्री शेजवलकर ने कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह से कहा कि इन लोगों को किस प्रकार जमीन के पट्टे दिए जा सकते हैं उसकी पूरी कार्ययोजना तैयार कर आवासीय पट्टे देने की प्रक्रिया की जाए। आवासीय पट्टे देने में जो भी अड़चनें हैं उसे दूर करने का प्रयास भी किया जाए।

जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने हेतु हर सोमवार को लगे शिविर

जाति प्रमाण-पत्र की उपलब्धता को और सहज बनाने के लिये प्रति सोमवार को शिविर आयोजित करने की बात भी कही गई। जिले के कई ब्लॉक में जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध होने में आ रही दिक्कतों की शिकायत पर सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि महीने के प्रथम सोमवार को सभी ब्लॉक पर जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने हेतु शिविरों का आयोजन किया जाए। शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों को तत्परता से प्रमाण-पत्र उपलब्ध हो सकें।

बैठक में विधायक श्री प्रवीण पाठक, डॉ. सतीश सिकरवार और

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार व बाजरा खरीदी के लिये जिले में 53 केन्द्र

कलेक्टर ने नोडल अधिकारी नियुक्त कर सुव्यवस्थित रूप से खरीदी कराने के दिए निर्देश

ग्वालियर। जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये 53 खरीदी केन्द्र स्थापित किए गए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने समर्थन मूल्य पर खरीफ की इन फसलों की खरीदी के लिये खरीदी केन्द्रवार नोडल अधिकारी तैनात किए हैं। साथ ही मॉनीटरिंग के लिये उपार्जन की नीति के अनुसार जिला व अनुविभाग स्तरीय समितियां भी गठित कर दी हैं। ये समितियां खरीदी में सहयोग करेंगीं और संबंधित केन्द्रों पर सतत निगरानी रखकर किसानों की शिकायत व समस्याओं का तत्काल निराकरण भी करेंगीं।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे खरीफ उपार्जन कार्य की सतत निगरानी रखें। साथ ही पंजीकृत किसानों की ग्राम पंचायतवार सूची संबंधित खरीदी केन्द्रों पर चस्पा कराई जाए। कलेक्टर ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि खरीदी केन्द्र पर आने वाले हर किसान को उनकी बारी के अनुसार नोडल अधिकारी एवं समिति के प्रबंधक संयुक्त हस्ताक्षर कर टोकन जारी करें और इसका रजिस्टर भी संधारित किया जाए। जिसमें कृषक के आने का समय अंकित हो तथा खरीदी भी इसी क्रम के अनुसार की जाए। केवल उन्हीं किसानों से खरीदी करें, जिनको एसएमएस मिल गया हो। अन्य तिथि के एसएमएस की खरीदी संभव नहीं होगी। खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये छाया-पानी इत्यादि की समुचित व्यवस्था रखी जाए।

शहर के मुख्य मार्गो को दुरुस्त करने के लिए पेंचवर्क का कार्य तेजी से प्रारंभ

ग्वालियर। शहर के मुख्य मार्गो को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा पैच वर्क का कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। इसी के तहत आज गोला का मंदिर से 7 नम्बर चौराहे की विभिन्न स?कों पर पेच रिपेयरिंग का कार्य किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि शहर के नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए शहर की सभी मुख्य स?कों के गड्ढों को तेजी से भरने के लिए पैच वर्क का काम तेजी से किया जाए। निगमायुक्त श्री कन्याल के निर्देश के क्रम में आज गुरूवार को काल्पीब्रिज कॉलोनी मुरार क्षेत्र में पैच वर्क का काम प्रारंभ कराया गया।

गंदगी फैलाने व डस्टबिन न होने पर दुकानदारों से 15 हजार का जुर्माना वसूला

ग्वालियर। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए। शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही शहर में दुकानदारों से अपील की जा रही है। कि वह अपने पास डस्टबिन अवशय रखें जिससे गंदगी न फैल पाये।

अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर के निर्देश पर स्टेशन बजरिया व बस स्टेंड स्थित दुकानों व रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों के पास न ही डस्टबिन पाये गए व उनके द्वारा गंदगी भी फैलाइ जा रही थी। जिस पर संबंधित अधिकारी ने गंदगी फैलाने व डस्टबिन न होने पर 15000 रूपये का जुर्माना वसूला।

लोहिया एवं दाल बाजार अब वन-वे

ग्वालियर। ग्वालियर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृ? करने के उद्देश्य से शहर के व्यस्ततम मार्ग लोहिया बाजार और दाल बाजार को वन-वे (एकांगी मार्ग) घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी के प्रतिवेदन के आधार पर इस आशय का आदेश जारी किया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत अब इंदरगंज चौराहे से लोहिया बाजार जाने वाले वाहन ऊँट पुल के बगल से लोहिया बाजार जा सकेंगे। किंतु नया बाजार से लोहिया बाजार होते हुए ऊँट पुल की ओर आने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। इसी तरह नया बाजार से इंदरगंज चौराहे की ओर आने वाले वाहन दाल बाजार तिराहा होते हुए इंदरगंज चौराहे की ओर आ सकेंगे, किंतु इंदरगंज चौराहे से दाल बाजार होते हुए नया बाजार की ओर जाने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि दाल बाजार जाने के लिये मैना वाली गली एवं परिवार हॉस्पिटल मार्ग को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

40 अनुपस्थित कर्मचारियों के एक दिवस के वेतन काटने के दिये निर्देश

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देश पर शहर की साफ सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियों को लेकर निगम अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन सुबह अपने अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की मोनिटरिंग की जाकर संबंधित कर्मचारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिये जा रहे हैं। इसके साथ ही आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

शहर की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के लिए सुबह 5 बजे से ही फील्ड में निकले उपायुक्त श्री सतपाल सिंह चौहान को गुरुवार को 19 कर्मचारी अपनी ड्यूटी से गैरहाजिर मिले। इनके खिलाफ कार्यवाही के लिए श्री चौहान ने निगमायुक्त को प्रतिवेदन भेजा। साथ ही एक दिन का वेतन काटने के आदेश तत्काल दिए हैं।

उपायुक्त श्री चौहान सुबह जोन-3 के वार्ड 15 में निरीक्षण के लिए पहुंचे और सभी सफाई कर्मचारियों की हाजिरी चौक की, जिसमें 53 मे से 19 सफाई मित्र गैरहाजिर पाए गए। श्री चौहान ने एक कर्मचारी श्री मनोज की रजिस्टर में साइन मिलने पर हाजिरी की तस्दीक की तब पता लगा कि वह नौकरी पर नहीं आया है।

बीट समाधान केन्द्रों को और अधिक प्रभावी बनायें: कमिश्नर

ग्वालियर-चंबल संभाग के अधिकारियों को दिये निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आशीष सक्सेना ने बीट समाधान केन्द्रों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने गुरूवार को अपने सभाकक्ष में आयोजित ग्वालियर-चंबल संभाग के अधिकारियों से कहा कि दो या तीन ग्राम पंचायतों के बीच एक बीट समाधान केन्द्र स्थापित किए हैं। इन समाधान केन्द्रों पर कांस्टेबल, पटवारी, कोटवार उपस्थित रहकर छोटे-छोटे झगड़ों, समस्याओं का आपसी सुलह समझौते के आधार पर निराकरण कर रहे हैं। अगर मामला कोर्ट में भी लंबित है तो उस मामले को आपसी सुलह समझौता कराकर लंबित प्रकरण का निराकरण कर सकते हैं। कमिश्नर श्री सक्सेना ने ग्वालियर और चंबल संभाग के अधिकारियों से कहा कि वे भी अपने मैदानी अमले को इन बीट समाधान केन्द्रों पर पहुंचाकर इन केन्द्रों को और अधिक प्रभावी बनाएँ। इन केन्द्रों पर सुशासन के तहत जन-जन को अपनी विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करें। बीट समाधान केन्द्र योजनाओं के प्रचार का बहुत अच्छा मंच हो सकता है। उन्होंने कहा कि सभी बीट समाधान केन्द्र की लिंक बनाई गई है। इन लिंक से जुड़कर एसडीएम अपने ङ्क अपने बीट केन्द्रों से जुड़कर वहां की जटिल समस्याओं का निराकरण स्वयं कर रहे हैं। प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाले इन केन्द्रों पर संबंधित जिलों के कलेक्टर भी जुड़कर लोगों की समस्या का समाधान कर रहे हैं। मैं भी इन केन्द्रों से जुड़कर वहां की गतिविधियाँ देख रहा हूँ। कमिश्नर ने कहा कि इन बीट समाधान केन्द्रों पर ही लोगों की समस्या का समाधान हो जायेगा तो लोगों को जनसुनवाई के दिन जिला मुख्यालय पर नहीं आना पड़ेगा। सीएम हैल्पलाइन में भी शिकायतों में गिरावट आयेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478